संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -347 शुक्रवार ,20 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आईएनडीआईए गठबंधन में बढ़ी दरार

नाराज अखिलेश यादव बोले-कांग्रेस धोखेबाज है,पता होता तो नहीं करते गठबंधन

सीतापुर,19 अक्टूबर 2023(ए)।

सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस से खासा नाराज हैं। बृहस्पतिवार को सीतापुर पहुंचे सपा मुखिया ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला। उन्होंने दो टूक कहा कि कांग्रेस अपने चिरकुट नेताओं से सपा के लिए बयानबाजी न करवाए। अखिलेश ने कांग्रेस को धोखेबाज बताते हुए कहा कि अगर उन्हें पता होता इंडिया गठबंधन विधानसभा स्तर पर नहीं है तो वह कांग्रेस से बात ही नहीं करते। शाहजहांपुर जाते समय वह सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव के आवास पर पत्रकारों से मुखातिब थे। अखिलेश ने कहा कि

अगर वे (कांग्रेस) कहते हैं, कि विधानसभा स्तर पर गठबंधन नहीं है तो हम स्वीकार करते हैं। शायद हमें ही कन्फ्यूजन रहा होगा। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मध्य प्रदेश में सपा की कोई हैसियत नहीं है संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए अखिलेश बोले कि उनकी हैसियत क्या है। इंडिया गठबंधन के बारे में वे कितना जानते हैं, क्या बैठकों में थे।

आजम मुस्लिम इसलिए हो रहा अन्याय

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां मुस्लिम हैं, इसलिए उनके साथ अन्याय हो रहा है। सारी चीजों पर गौर करने से यही लगता है। अखिलेश बोले कि सवाल यह है, आजम खां के साथ साजिश कौन कर रहा है। भाजपा या उसके समर्थक। आजम से मिलने के सवाल पर बोले कि यह फैसला उन पर छोड़ दें। आजम उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पारिवारिक सदस्य हैं।

सीतापुर में सांड़ बहुत दिखते

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि सीतापुर में सांड़ बहुत दिखते हैं। हाईवे के डिवाइडर पर जगह-जगह सांड़ बैठे नजर आते हैं। भाजपा वाले क्या कर रहे हैं। धान खरीद केंद्र पर क्या किसी किसान की उपज खरीदी जा रही है। यह भी बड़ा सवाल है। देवरिया में पत्रकारों पर हुए लाठीचार्ज पर उन्होंने कहा हमें दुख बीजेपी सभी को पीट रही है। पत्रकार अगर सही लिखते हैं तो जांच हो जाएगी।

जैसा व्यवहार करेंगे वैसा ही देखने को मिलेगा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस नेता ने बैठक बुलाई थी। जिसमें हमने उन्हें समाजवादी पार्टी की पूरी रिपोर्ट दिखाई। रात एक बजे तक समाजवादी पार्टी के नेताओं को उन्होंने जगाया और आश्वासन दिया कि हम छह सीटों पर विचार करेंगे, लेकिन जब सीटें घोषित की गई तो समाजवादी पार्टी शून्य रही। अगर मुझे पहले पता होता कि विधानसभा स्तर पर इंडिया का कोई गठबंधन नहीं है। तो हम उसमें कभी मिलने नहीं जाते। समाजवादी पार्टी के साथ जैसा व्यवहार होगा वैसा व्यवहार उनको (कांग्रेस) देखने को मिलेगा।

पीएम मोदी आज करेंगे रैपिड एक्स ट्रेन नमो भारत का उद्घाटन

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को देश के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम का उद्घाटन करने जा रहे हैं। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के 17 किलोमीटर लम्बे रेल सेवा का पहला फेज़ बनकर तैयार है। इस रेल का नाम 'नमो भारत' है।

इसके प्रथम चरण में साहिबाबाद से दुहाई स्टेशन तक, यानी 17 किलोमीटर के रास्ते को ही खोला जाएगा। जिसमें कुल पांच स्टेशन साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो हैं। ट्रेन को इस दूरी को तय करने में 15-17 मिनट का समय लगेगा।

30,274 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हो रही इस परियोजना का गलियारा 82 किलोमीटर लंबा होगा, यह दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन से मेरठ के मोदीपुरम तक फैला होगा। मेल एक्सप्रेस ट्रेन में मेरठ और दिल्ली के बीच डेढ़ घंटे और लोकल ट्रेन में दो घंटे का समय लगता है, लेकिन रैपिड रेल में केवल 55-60 मिनट लगेंगे।

रैपिडएक्स रेल में झुकने वाली सीटों और खिड़कियों के अलावा हाई-टेक कोचों में डिजिटल स्क्रीन लगाई गई है। यात्री किसी भी समय ट्रेन का अपना रूट चेक कर सकते हैं। इसके साथ ही डिजिटल स्क्रीन पर चल रही ट्रेन की मौजूदा स्पीड का भी पता लगाया जा सकेगा। हर एक रेक में छह कोच, एक प्रीमियम और पांच स्टैंडर्ड होंगे। स्टैंडर्ड कोचों में से एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। रैपिड रेल में 50त्र से ज्यादा महिला कर्मचारी होंगी। साथ ही दिल्ली और मेरठ के बीच रहने वाले लोगों को ही नौकरी में प्राथमिकता दी जाएगी।

रघुवर दास बने ओडिशा के नए राज्यपाल

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2023(ए)।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बता दें कि वे गणेशी लाल की जगह लेंगे। वहीं तेलंगाना में बीजेपी के वरिष्ठ नेता इंद्रसेन रेड्डी नल्लू को त्रिपुरा का राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति भवन ने बयान जारी कर ये जानकारी दी है। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

रघुवर दास भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कद्दावर नेता रहे हैं और झारखंड के पहले गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री बने थे। रघुवर दास 1977 में जनता पार्टी के सदस्य बने थे और 1980 में बीजेपी की स्थापना के साथ ही सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। उन्होंने

1995 में पहली बार जमशेदपुर पूर्व से विधानसभा चुनाव लड़ा और विधायक बने। इसके बाद वे पांच बार से ज्यादा बार इसी सीट से चुनाव जीतने में सफल रहे। उनका राजनीतिक सफर गोविंदाचार्य द्वारा बीजेपी के लिए जमशेदपुर पूर्व से तय किए गए टिकट के साथ शुरू हुआ था।

गुजरात में उपद्रवियों ने ट्रेन पर किया पथराव

कोच की खिड़की टूटी,यात्रियों में हड़कंप

नवसारी ,19 अक्टूबर 2023(ए)। गुजरात के नवसारी जिले में बांद्रा-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस पर उपद्रवियों के पथराव के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गुरुवार को जांच के आदेश दिए। 18 अक्टूबर की रात हुई इस घटना में एक कोच की खिड़की टूट गई। हालांकि, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के दौरान यात्रियों में हड़कंप मच

गया।एक अधिकारी ने बताया कि रेलवे अधिनियम की धारा 154 के अनुरूप अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एक आधिकारिक शिकायत दर्ज की गई है। यह घटना मरोली रेलवे स्टेशन के पास हुई, जो नवसारी और सूरत जिलों की सीमा में स्थित है। घटना में बी3 कोच की खिड़की का शीशा, विशेष रूप से सीटों 41 और 42 के बगल का, टूट गया, लेकिन उक्त सीटों पर बैठे यात्री सुरक्षित बच गए। मामले की अभी जांच चल रही है।

आतंकियों पर सीआईके का शिकंजा

जम्मू-कश्मीर सीआईके ने कई स्थानों पर छापेमारी की

श्रीनगर ,19 अक्टूबर 2023(ए)।

जम्मू-कश्मीर सीआईडी की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने गुरुवार को आतंकवाद से जुड़े अपराध मामले में कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। आतंकवाद से संबंधित अपराध मामले की जांच के हिस्से के रूप में ये छापेमारी की गई।सीआईके अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सहायता से, आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और कश्मीर में शांति और स्थिरता के लिए किसी भी संभावित खतरे को विफल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।सीआईके की कार्रवाई निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर समर्पण को उजागर करती हैं। सूत्रों ने कहा, गुरुवार की छापेमारी के संबंध में अधिक जानकारी और अपडेट बाद में उपलब्ध कराए जाएंगे।

चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 1 नवंबर तक बढ़ी

विजयवाड़ा ,19 अक्टूबर 2023(ए)।

विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने गुरुवार को कथित कौशल विकास निगम घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 1 नवंबर तक बढ़ा दी। नायडू को राजमुंड्री सेंट्रल जेल से वर्चुअली कोर्ट में पेश किया गया। जज ने हिरासत दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी।

नायडू ने जज से कहा कि उन्हें जेल में अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका है। जज ने उनसे यह बात लिखित में देने को कहा।जज ने जेल अधिकारियों को नायडू द्वारा लिखे जाने वाले पत्र को अदालत के सामने रखने का निर्देश दिया।तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) अध्यक्ष ने न्यायाधीश को अपने सामने आ रही

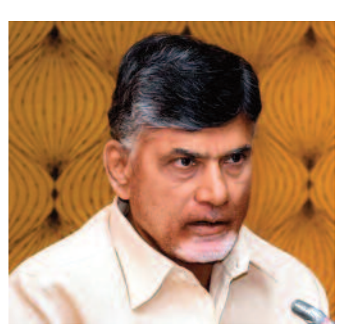

स्वास्थ्य समस्याओं से भी अवगत कराया।

जज ने जेल अधिकारियों को चंद्रबाबू नायडू की मेडिकल रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने जेल अधिकारियों से उनकी स्वास्थ्य स्थिति और उनके इलाज के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी ली।

सीआईडी ने नायडू को मुख्यमंत्री रहते हुए हुए कथित घोटाले में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था। अगले दिन विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने उन्हें 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बाद में उन्हें जेल भेज दिया गया।

यह मामला आंध्र प्रदेश राज्य में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसकी कुल अनुमानित परियोजना लागत 3300 करोड़ रुपये थी, जब नायडू मुख्यमंत्री थे।

सीआईडी ने दावा किया है कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

तेलंगाना में चुनाव से पहले मिला 750 करोड़ रुपए कैश से भरा ट्रक

हैदराबाद ,19 अक्टूबर 2023(ए)।

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की तारीख तय होने के बाद चुनाव आयोग के साथ-साथ राज्य की पुलिस ने भी चौकसी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में गडवाल में एनएच पर तैनात पुलिसकर्मियों को रात साढ़े दस बजे एक ट्रक दिखा, जिसे रोककर चेक किया तो हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, इस ट्रक में पुलिस को 750 करोड़ रुपये नकदी मिली।

गडवाल से गुजरने वाला राजमार्ग जो आम तौर पर तस्करों के लिए एक बड़ा माध्यम माना जाता है।

हालांकि, कुछ घंटों के सस्पेंस के बाद, यह बिना किसी शोर-शराबे का मामला थम गया। सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस को ट्रक को छोड़ना पड़ा।दरअसल, राज्य में चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी कोई कोताही नहीं बरतना चाहते हैं। यही वजह है कि गड़बड़ी की आशंका के चलते मंगलवार रात को पुलिस की टीम ने एक ट्रक को राजमार्ग पर रोक दिया। मामले की जानकारी देते हुए तेलंगाना पुलिस के नोडल अधिकारी संजय कुमार जैन ने कहा, चेकिंग के दौरान ट्रक से 750 करोड़ रुपए की नकदी बरामद हुई। मामले में ऐक्शन लेने के लिए चुनाव अधिकारियों को गद्वाल पुलिस की सहायता लेनी पड़ी।कुछ घंटों के सस्पेंस के बाद यह मामला बिना किसी हलचल के शांत हो गया क्योंकि पता लगा कि नकदी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का था, जिसे केरल से हैदराबाद ले जाया जा रहा था। बैंक अधिकारियों से पुष्टि के बाद ट्रक को आगे की यात्रा के लिए छोड़ दिया गया।

यथार्थ ग्रूप के हॉस्पिटल्स पर आईटी रेड

कई ठिकानों पर इनकम टैक्स अधिकारियों की छापेमारी जारी

नोएडा ,19 अक्टूबर 2023(ए)।

टैक्स की हेरा-फेरी के मामले में शिकायत के बाद नोएडा के यर्थाथ ग्रुप पर इनकम टैक्स के अधिकारियों ने रेड डाली है। उनको लगातार टैक्स में हेर-फेर और अनएकाउंटेंड ट्रांजेक्शन की शिकायत मिल रही थी। रेड दिल्ली यूनिट की टीम कर रही है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे यर्थाथ ग्रुप के नोएडा, ग्रेटर नोएडा के अलावा कई अन्य ठिकानों पर एक साथ रेड शुरू की गई। इसमें नोएडा यूनिट की भी मदद ली जा रही है। रेड लंबी चलने की उम्मीद है।

बता दें कि नोएडा का ये दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल का ग्रुप है।

इससे पहले मेट्रो और नियो अस्पताल पर भी इनकम टैक्स की रेड हो चुकी है। नोएडा में सेक्टर-110 के अलावा ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में यर्थाथ अस्पताल है। इसके अलावा इनके रीजनल ऑफिस और एडमिन से जुड़े लोगों के यहां भी रेड की जा रही है।दस्तावेजों और इनपुट के आधार पर सवाल जवाब किए जा रहे हैं। अस्पताल की इनडोर और आउटडोर ओपीडी में मरीजों को कोई परेशानी नहीं है। बता दें दिल्ली यूनिट की कई टीम इस रेड को कंडक्ट कर रही है। रेड दो से तीन दिन तक भी चल सकती है।

सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में नया मोड़

आदित्य ठाकरे ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा,सीबीआई जांच की मांग

मुंबई ,19 अक्टूबर 2023(ए)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत व उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष सुने जाने की मांग करते हुए आदित्य ठाकरे ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वकील राहुल अरोटे के माध्यम से 13 अक्टूबर को दायर अपने आवेदन में आदित्य ठाकरे ने कहा कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि मामले की जांच पहले से ही राज्य मशीनरी द्वारा की जा रही है। 20 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई हो सकती है।इस साल सितंबर में 'सुप्रीम कोर्ट एंड हाई कोर्ट लिटिगेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष राशिद खान पठान के माध्यम से दायर जनहित याचिका में सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान की रहस्यमय मौतों के संबंध में आदित्य ठाकरे की तत्काल गिरफ्तारी और हिरासत में पूछताछ की मांग की गई थी।

जनहित याचिका पर हाई कोर्ट में अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। इसी मामले में ठाकरे के वकील अरोटे ने कहा, 'हमने एक हस्तक्षेप आवेदन दायर किया, जिसमें कहा गया है कि कोई भी आदेश पारित करने से पहले हमें सुना जाना चाहिए। हमने कहा है कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच पहले से ही सीबीआई द्वारा की जा रही है।'अरोटे ने कहा, 'किसी जनहित याचिका में कोई भी आदेश कैसे पारित किया जा सकता है, जब एक राज्य मशीनरी पहले से ही जांच में लगी हुई है।'

छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

पीएम मोदी-शाह सहित 40 नेताओं के हैं नाम

नई दिल्ली ,19 अक्टूबर 2023(ए)।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में पहले चरण के तहत मतदान वाले विधान सभा सीटों पर चुनाव प्रचार के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, ओम माथुर, स्मृति ईरानी, अर्जुन मुंडा, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को भाजपा ने

स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया है।पार्टी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मंडाविया, वीरेंद्र कुमार खटीक, रामेश्वर तेली, बाबूलाल मरांडी, रविशंकर प्रसाद, सरोज पांडेय, बी.संजय कुमार, अजय जामवाल, नितिन नवीन, मनोज तिवारी, नित्यानंद राय, बृजमोहन अग्रवाल और रवि किशन सहित 40 नेताओं को पहले चरण के चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया है।आपको बता दें कि, छत्तीसगढ़ में पहले चरण के तहत राज्य की 20 विधान सभा सीटों पर 7 नवंबर को वोटिंग होनी है। दूसरे चरण में 17 नवंबर को बाकी बची 70 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

न्यूज़क्लिक के संपादक की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

यूएपीए के तहत कार्रवाई के खिलाफ है मामला

नई दिल्ली ,19 अक्टूबर 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन प्रमुख अमित चक्रवर्ती द्वारा दायर याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। इसमें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम कानून के तहत मामले में उनकी पुलिस हिरासत को चुनौती दी गई है। पीठ में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा ने दलीलें सुनीं और नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा। मामले को आगे की सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर को सूचीबद्ध किया जाएगा। आरोप है कि न्यूज पोर्टल को चीन समर्थक प्रोपेगेंडा चलाने के लिए पैसे मिले थे। पुरकायस्थ और

चक्रवर्ती की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और देवदत्त कामत ने पीठ से कहा कि वे जेल में बंद हैं। इसलिए मामले पर जल्द सुनवाई की जाए। इस पर न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और 30 अक्तूबर तक जवाब मांगा।

पिछले हफ्ते, दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की याचिका खारिज कर दी और पुलिस रिमांड को बरकरार रखा। ये दोनों 10 अक्टूबर से न्यायिक हिरासत में हैं।

गौरतलब है कि 3 अक्टूबर को, दिल्ली पुलिस ने न्यूज़क्लिक कार्यालय और समाचार पोर्टल के संपादकों और पत्रकारों के आवासों सहित कई छापे के बाद दोनों को गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय से याचिकाएं खारिज होने के बाद पुरकायस्थ शीर्ष अदालत पहुंचे।

संपादकीय

महुआ मोइत्रा के लिए मुश्किल होगी

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा बुरी तरह से फंस गई हैं। उनके ऊपर शिकंजा कस गया है और जल्दी ही उनकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उनके फंसने और मुश्किल बढ़ने के दो कारण बहुत स्पष्ट हैं। पहला, उन्होंने कॉरपोरेट के साथ पंगा किया। वह ऐसे कॉरपोरेट के साथ, जो सरकार की तरह शक्तिशाली है और जिसके लिए अनेक नेता, जन प्रतिनिधि, अधिकारी आदि अपनी जान दांव पर लगा सकते हैं। दूसरा कारण यह है कि उनके बेहद करीबी रहे व्यक्ति ने विश्वासघात किया है। एक पुरानी कहावत है कि राज की बात अपने दोस्त को भी नहीं बतानी चाहिए क्योंकि वह कभी भी दुश्मन हो सकता है। महुआ मोइत्रा के राजदार रहे जय अनंत देहद्रई दुश्मन हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि वकील जय अनंत देहद्रई किसी समय महुआ मोइत्रा के पार्टनर थे। एक कहानी यह है कि महुआ मोइत्रा के पालतू कुत्ते हेनरी को लेकर भी दोनों के बीच विवाद हुआ था और मामला थाने तक पहुंचा था। कहा जा रहा है कि महुआ कोलकाता या दिल्ली से बाहर जाती थीं तो हेनरी जय अनंत के घर छोड़ जाती थीं। बाद में जब दोनों में विवाद हुआ तो उन्होंने कुत्ता लौटाने से इनकार कर दिया था। महुआ मोइत्रा थाने गईं और वहां से आखिरकार उनका हेनरी उनका वापस मिला। अब उन्हीं जय अनंत देहद्रई ने 38 पन्नों का एक दस्तावेज तैयार किया है, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई है कि हीरानंदानी समूह के दिनेश हीरानंदानी के कहने पर महुआ ने लोकसभा में सवाल पूछे। यहां तक कहा गया है कि महुआ को सांसद के नाते लोकसभा के पोर्टल का जो एक्सेस मिला हुआ है वह एक्सेस उन्होंने हिरानंदानी समूह को भी दिया था ताकि वे सीधे सवाल उस पर अपलोड कर सकें।

महुआ के पार्टनर रहे जय अनंत देहद्रई ने बहुत विस्तार से सारी बातें बताई हैं। उन्होंने सवालों के लिंक साझा किए हैं। दिनेश हीरानंदानी और गौतम अडानी के कारोबारी विवाद के बारे में बताया है। इसे जोड़ते हुए कहा कि हीरानंदानी समूह के कहने पर महुआ ने गौतम अडानी को टारगेट किया। हालांकि हारीनंदानी समूह ने इसका खंडन किया है। वकील जय अनंत ने महुआ को महंगे उपहार और नकद पैसे मिलने की बात बताई है। हो सकता है कि इसमें कुछ चीजें बढ़ा-चढ़ा कर बताई गई हों लेकिन कुछ चीजें सही हो सकती हैं। कुछ गलतियां अनजाने में हुई हो सकती हैं लेकिन उस 38 पन्नों के दस्तावेज के आधार पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

उनकी मुश्किल यह है कि बड़े कारोबारी और भारतीय जनता पार्टी के साथ साथ केंद्र सरकार भी उनके पीछे पड़ गई है। आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ट्विट करके कहा है कि मार्च 2022 में उनको कुछ पत्रकारों ने बताया था कि एक डाटा सेंटर कंपनी की ओर संसद में सवाल पूछा जाएगा। उनका इशारा भी महुआ मोइत्रा की ओर था, जिन्होंने डाटा लोकलाइजेशन को लेकर बाद में सवाल पूछा। मंत्री का कहना है कि पत्रकारों की ओर से बताए गए सवाल और सांसद के सवाल की भाषा एक जैसी थी। हालांकि इस पर सांसद महुआ मोइत्रा की बहुत मजबूत सफाई है। उन्होंने कहा है कि वे आईटी की संसदीय समिति की सदस्य थीं और वे चाहती हैं कि डाटा को लोकल ही स्टोर किया जाए। बहरहाल, उनके ऊपर विशेषाधिकार का मामला तो बनेगा ही सीबीआई और ईडी का मामला भी बनने की पूरी संभावना है।

प्रेम क्या है

दर्शन का मार्ग,अहसास और विश्वास,
श्रद्धा और समर्पण,आत्मदर्शी दर्पण,
आत्माओं का विशुद्ध मिलन।
प्रेम क्या नहीं है।
प्रदर्शन नहीं,मात्र भोग विलास नहीं,
स्वार्थ साध्य नहीं।
प्रेम में मिलता क्या है ।
आँसू, तड़प,विरह,
अनंत,अनकही पीड़ा।

गरिमा राकेश गौतम गर्विता
कोटा, राजस्थान

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

राजनीति में महिला और महिला की राजनीति

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा उत्तरप्रदेश

ब्रिटेन में कैंब्रिज यानी विश्व प्रसिद्ध विद्याधाम। दुनिया को विज्ञान और मुक्ति का पाठ पढ़ाने वाले कैंब्रिज में शुरू में महिलाओं को पढ़ने के लिए प्रवेश नहीं मिलता था। सदियों बाद उन्हें प्रवेश मिला। पर पढ़ाने वाले अध्यापकों में महिलाओं के होने के बावजूद महिलाओं को शासन की ओर से डिग्री नहीं दी जाती थी। वेदों में ऋषिकाएं हों और माताजी की पूजा हो रहो हो या दूसरी पत्नी मैत्रेयी के साथ चर्चा करते ऋषि याज्ञवल्क्य की बातों का वृहद आरण्यक उपनिषद हो, गार्गी से जाबादि, गंगा से लोपामुद्रा, सीता से द्रोपदी तक के चरित्र हों, फिर भी अंग्रेज भारत की शिक्षा से सिविलाइजेशन सिखाने की बात करते थे। खैर, ब्रिटेन में तो मताधिकार ही महिलाओं को संसदीय लोकतंत्र के सदियों बाद 1928 के अंत में मिला था। आभार मानिए गांधी, अंबेडकर, सरदार, नेहरू आदि का कि भारत में स्वराज के साथ ही महिलाओं लोकतंत्र में समान हिस्सा मिला। हिंदू कोड बिल द्वारा हिंदू महिलाओं को आत्मनिर्भरता मिली। लेकिन उतनी मुस्लिम महिलाओं को नहीं मिली, यह एक अधूरा काम है।

पर जब ब्रिटेन में महिलाओं को मताधिकार या अमुक समय शिक्षा का अधिकार नहीं था, उस समय भी सब से लंबा और प्रभावशाली शासन करने वाली दो महिलाएं थीं, जिन्होंने ब्रिटेन को ग्रेट बनाया। शेखर कपूर ने जिन पर फिल्म बनाई, वह क्वीन एलिजाबेथ पहली और जिनका असर आज भी भारत पर है, वह क्वीन विक्टोरिया। यानी अगर महिलाओं को मौका मिले तो राजनीति में भी चौका मार सकती हैं। पुरुष प्रधान धार्मिक समाज में भी।

लोकसभा में बारबार आवाज उठाई गई कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। लेकिन कभी किसी पार्टी ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। हमारे देश के शासन में केवल एक तरह का आरक्षण हो सकता है- गुणवत्ता, योग्यता, दीर्घदृष्टि, विद्वता, बुद्धिमत्ता, राष्ट्रीयता और ईमानदारी निष्ठा वाले लायक नागरिकों का।

पर अमुक सांसदों का व्यवहार देख कर संसद या किसी भी सभा में महिलाएं बढ़ जाएं तो कम से कम थोड़ी गरिमा तो बढ़ ही जाएगी। बाकी आरक्षण नहीं था, तब भी महिलाएं पुरुषों की मुट्ठी से निकल कर राजनीति में महान बनी हैं।

अमुक अनपढ़ गंवार जो हिंदुस्तान में राजनीति में अपने परिवार की महिलाओं की साड़ी में छुप कर खेलने के गलत स्वार्थ की खातिर अलग ही आरक्षण के बिना भी लालूप्रसाद ने राबड़ीदेवी को बैठा दिया था, इस तरह फैमिली फीमेल को आगे कर के इसमें कोई वीमेन एम्पावरमेंच नहीं है। पावर पुरुष के पास से निकाल न जाए, यही घटियापन होता है। हम ने तो यह भी देखा है कि मायावती और जयललिता जैसी महिलाओं ने अकेले दम पर जीत हासिल की है। बाद में भ्रष्टाचार की वजह से भले ही किनारे लग गई। आनंदीबेन पटेल या ममता बनर्जी या सीतारामन या रेणुका चौधरी या उमा भारती बिना किसी पारिवारिक पृष्ठभूमि यानी बिना किसी पॉलिटिकल फैमिली बैकग्राउंड के बिना अपनी ताकत से राजनीति में शिखर पर पहुंची हैं। पर सोनिया गांधी, महबूबा मुसी, मीरा कुमार शीला दीक्षित, वसुंधरा राजे, डिम्पल यादव आदि को परिवार के नाम का प्लेटफार्म मिला है।

जबकि भारत के भूतकाल पर नजर डालें तो पता चलता है कि बिना किसी पारिवारिक प्लेटफार्म के ही महिलाओं ने राजदंड धारण किया है। वह भी ऐसे समय में जब महिलाएं केवल घर की शोभा होती थीं। (जबकि यहां राज्याभिषेक के समय पत्नी अनिवार्य होती थी, पर केवल शोभा के लिए) बंगाल आसाम की ओर पूरी तरह से महिला शासित कामरू प्रदेश की कहानियों से डरने वाले पुरुषों ने मध्ययुग में उन्हें तांत्रिक और जादूगरनी बना दिया था। महाभारत में अर्जुन की महिला शासक पत्नी चित्रांगदा की दंतकथा माने तो ठोस इतिहास चाहिए।

1671 में कर्नाटक के मलेनाडु इलाके में राजा सोमशोखर नायक की मित्रद्रोह के कारण अकाल हत्या कर दी गई थी। तब उनकी वैश्य व्यापारी की बेटी फिर भी क्षत्रिय विधवा हुई पत्नी चेन्नम्मा ने शासन संभाल लिया था। राजगद्दी के असंख्य उत्तराधिकारियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। निसंतान पति के हत्यारे मित्र को देहांतदंड दे कर चेन्नम्मा ने मिर्च और चावल के बदले डच सौदागरों से अरबी घोड़ा और हथियार खरीद कर सेना को मजबूत बनाया था और औरंगजेब से छुप कर भागे शिवाजी के पुत्र राजाराम को मुगल सेने के सामने आ कर आश्रय दिया था और 25 सालों तक शासन कर के दिखाया था। कर्नाटक में ही एक दूसरी चेन्ना भी चेन्नम्मा बनी और जनता की आराध्यनायिका की तरह पूजी गई।

बेलगांव से 8 किलोमीटर दूर किन्नुर के राजा मल्लाराजा की दूसरी पत्नी के रूप में उनके महल में 16 साल की उम्र में आई इस चेन्ना के पति को पेशवा ने बंदी बनाया तो बीमारी की वजह से उनकी मौत हो गई। इसके बाद सौतेले बैटे शिवलोक ने अंग्रेजों की मीठीमीठी बातों में आकर संधि कर ली। शिवलोक की मौत के बाद प्रौढ़ चेन्ना ने गद्दी संभाली। पहला काम अंग्रेजों के पॉलिटिकल हस्तक्षेप को खत्म किया। बातों और विचारों में उस समय महिला सम्मान और महिला उद्धार की बड़ी झंडाबरदार बन कर घूमने वाले ब्रिटिशरों को भारत की इस तरह की प्रगतिशील नारियां जरा भी नहीं अच्छी लगीं।

अंग्रेजों से खुलेआम युद्ध लड़ कर एजेंट थैकरे को चेन्ना ने 1824 में हराया और मारा। याद रहे कि 1857 के स्वाधीनता संग्राम के 33 साल पहले ब्रिटिशरों के सामने विप्लव का झंडा भारत भर में पहली बार उठाने वाली एक महिला शासक थी। वह किसी आरक्षण की लाठी के सहारे के बिना खुद्दारी से सिंहासन तक पहुंची थी। आखिर ब्रिटिशरों ने इस चिनगारी को बुझा ही दिया था। 23 साल की झांसी की वीर साम्राज्ञी महारानी लक्ष्मी की तरह ही आधुनिक माने जाने वाले अंग्रेज बालराजा को तो स्वीकार कर लेते थे, पर विधवा रानी को नहीं मानते थे।

इन दोनों चेनम्मा के बीच के समय में 1730 के आसपास पैदा हुए इंदौर के पाटवीकुंवर की रानी बनने वाली अहिल्याबाई ने ससुर मल्हारराव होल्कर और प्रयत्नों के

प्रताप पति और ससुर के निधन के बाद इस तरह आसानी से अकेले शासन किया कि उनकी वीरगाथाएं और स्मृतियां अभी भी लोकजीवन में फैली हैं और इन सभी घटनाओं के शताब्दियों पहले 1233 में रूढ़िवादी और महिला समानता के मुद्दे पर जो आज भी आलोचना के पात्र हैं- और ईरान में हिजाब को जरूरी मानने के मुद्दे पर कट्टरवादी मुल्ला मार डालते हैं, उस इस्लाम में हिंदुस्तान में रजिया सुल्तान नाम की प्रथम नारी शासक का उदय देखा था। धर्म, परंपरा, कायदा-कानून, दुश्मन और जनता के मत से बाहर जाकर एक समय गुलाम रह चुके दिल्ली नरेश इल्तुमश ने सभी के विरोध के बावजूद विरोधियों के मुंह पर तमाचा जड़ते हुए बेटी रजिया के हाथ में हिंदुस्तान की कमान सौंपी थी। पर रजिया ज्यादा दिनों तक गद्दी पर टिक नहीं पाई। रानी दुर्गावती से नायिकादेवी तक अनेक चरित्र अपने पास हैं।

महिलाएं राजनीति में पति, पिता या परिवार के जोर पर आ तो सकती हैं, पर अगर खुद में क्षमता होगी तभी अपनी पहचान बनाकर अपनी स्वतंत्र मिसाल प्रज्वलित कर इतिहास के अविनाशी पृष्ठों पर अपनी छवि अंकित कर सकती हैं। पिछले दशकों में दूनिया भर में सशक्त और सर्वसत्ताधीश या फरमुख्त्यार मिजाज की महिला भाग्यविधात्री देखी हैं। अभी न्यूजीलैंड में दुनिया भर में लोकप्रिय होने के बाद परिवार के लिए इस्तीफा देने वाली जेसिंडा आर्डन या फिनलैंड में मात्र 34 साल पार्टी करते करते प्रधानमंत्री होने वाली साना मरीन हार गई। अभी जी-20 में आने वाली तमाम भारतीयों का दिल जीत लेने वाली इटली की अपेक्षा युवा प्रधानमंत्री जीओजया मेली की प्रधानमंत्री के साथ पार्क में जोशीली मुलाकात कर के छा जाने वाली डेनमार्क के मेटे फ्रेडरिक्शन तो याद होंगी ही। ब्रिटेन में भी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के समय में ही वहां की संसद में विंस्टन चर्चिल जिनका स्टेच्यू है, वहां तमाम सांसद झुकते हैं। वह मार्गरेट थेचर आयरन लेडी के रूप में लीजेंड बन गई। इसके बाद थेरेसा में या जिज ट्रस को ऐसी प्रसिद्धि नहीं मिल पाई। पर यूरोप में बेजोड़ अविजित शासक के रूप में जर्मनी में एंजेला मार्केल का शासन ऐसा था कि जब तक वह निवृत्त नहीं हुई, उन्हें कोई हरा नहीं सका अंर जर्मनी एक बार फिर स्ट्रांग शासक बन गया। इजरायल में पड़ोसी अरब राष्ट्रों ने अचानक युद्ध में आने पर धूल चटाने वाली लेडी गोल्डी मीर पर फिल्म आने वाली है।

इंडिया इज इंदिरा जिन्हें कहा गया, उनके लिए अटलबिहारी वाजपेई ने बांग्लादेश बनने के बाद 1971 में दुर्गा कहा था वह इंदिरा गांधी। नेहरू की बेटी होने की वजह से कैबिनेट में आई गूंगी गुड़िया की अपनी पहचान को खत्म कर देश पर एकछत्र शासन कर दिखाया। कटाक्ष में कहा जाता था कि भारत की राजनीति में इंदिरा ही एकमात्र %मर्द% हैं। हमारे पड़ोस में रुढ़िवादी मुस्लिम देश माना जाने वाला पाकिस्तान आखिर है तो भारत का ही हिस्सा, इसलिए वहां भी बेनजीर भुट्टो ने भी अपने दम पर सत्ता प्राप्त की और अब उनकी पार्टी पर बेटा राज कर रहा है। पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में तो खालिदा जिया और शेख हसीना के बीच ही सत्ता की जंग थी। जिसमें हसीना आगे निकल गई। श्रीलंका में तो मां-बेटी सिरिमावो भंडारनायके और चंद्रिका कुमारतुंगा देश की प्रमुख बनीं। म्यानमार में आंग सान शू की आज भी जेल में हैं, पर उनकी क्रांति से इतिहास अंजान नहीं है। थाइलैंड और साउथ कोरिया ने भी आलरेडी इक्कीसवीं सदी में महिला नेतृत्व देख लिया है।

पर पूरी दुनिया में फ्रीडम और इक्वालिटी का झंडा ले कर घूमने वाला अमेरिका अभी भी फीमेल प्रेसीडेंट के लिए रूढ़िवादी है। हिलेरी भी उसकी सीढ़ी तक इसलिए पहुंचीं कि पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी थीं। पर हार गईं। कमला हेरिस तो जो बाइडन की अपेक्षा बहुत तेज हैं और हमारे लिए गौरव की बात है कि वह मूल भारतीय हैं। पहले गवर्नर रह चुकी और प्रेसीडेंट बनने की इच्छा रखने वाली हेली और तुलसी गबार्ड भी मूल भारतीय हैं। इसका मतलब यह है कि भारतीय महिलाओं के खून में राजनीति रचीबसी है, बस चांस मिलना चाहिए।

बीसवीं सदी के इन नामों के उपरांत कोरीजोन इक्विनो (फिलीपींस), डा.मारिया दा लुर्द पिंटाचिल्गो (पोर्टुगल), मेरी रोबिंसन (आयरलैंड), पिडिसन फिन भोगेडोटार (आइसलैंड), ग्रो हार्लेम ब्रुटलैंड (नॉर्वे), अडी फुइनी बावद्रा (फिजी), इसिबेन एजेने (चिली), क्रीम काम्पबेल (कनाडा), तान्सु सीलर (तुर्की), अगाथा अनरीलीबजयाम्बी (रवांडा), मारिया एस्टेला (अर्जेंटीना), वायोलेटा बारिओस (निकारागूआ) जैफी फीमेल के पावर का अनुभव किया है। अभी यह लिस्ट और लंबी हो सकती है। इस सूची में दक्षिण एशिया के तीसरे विश्व के पुराने परंपरावादी, नारीमुक्ति के नाम पर मुंह बिचकाने, गरीब और भ्रष्टचारी पश्चिमी लेबल के लिए इन राष्ट्रों ने प्रतिकूल बहाव के बीच भी एक दो ऐतिहासिक महिलाओं को प्रधानमंत्री पद पर पहुंचते और टिके रहते देखा है। पर बात विगतवार की जाए तो आधुनिक और नारी स्वतंत्रता में पृथ्वी ग्रह पर सब से आगे रहने वाले अमेरिका के प्रमुख पद पर आज तक कोई महिला नहीं बैठी है।

शायद राजनीति में आगे आने की प्रेरणा देता चालकबल समानतावादी समाज या अलगाववादी आरक्षण नहीं, खुद की पहचान बनाने के लिए सामंतशाही पुरुषप्रधान मानव के साथ निरंतर किया जाने वाला संघर्ष होगा। जिसे पिछड़े देशों में नारायणी समान नारियों द्वारा पुरुष राजनीतिज्ञों की बकरी की भांति देखा जाता है। क्लियोपेट्रा (इजिप्त) से लेकर मेराइन (फ्रांस) तक का एक भी यादगार महिला नेतृत्व सत्ता की गली में भीख की तरह मांगने नहीं गई। पर उन्हें सत्ता की जरूरत पड़ती तो पुरुषों के हाथ से छीन लेना भी आता था।

एनी बेसेंट (1910 तथा 1925) या नीली सेन गुप्ता (1933) कांग्रेस अध्यक्ष रह चुकी हैं। राष्ट्रध्वज की डिजाइन के बारे में विचार करने वाली कामा या राजकुमारी अमृत कौर जैसे व्यक्तित्व ने अपने दम पर नाम कमाया। 1994 में कोर्नेलिया सोराबजी नाम की हिंद प्रथम महिला वकील बनीं, जिन्हें 1923 में प्रैक्टिस करने की मंजूरी मिली। 1926 में महिलाओं को ब्रिटिशरों को शर्ती मताधिकार मिला, बाद में मार्गरेट कजींस द्वारा स्थापित इंडियन वूमंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में महिला उम्मीदवारों ने विधान परिषद के स्थानीय चुनाव में बिना आरक्षण के हिस्सा लिया। मद्रास लेजिस्लेटिव काउंसिल में डा.श्रीमती मुथुस्वामी रेड्डी उपप्रमुख चुनी गईं। आज तक सैकड़ो महिलाएं राज्यपाल, सांसद, मंत्री, अधिकारी देख चुके भारत ने 1957 में प्रथम स्त्री मेयर या 1950 में प्रथम स्त्री सनदी अधिकारी को पद संभालते देखा है। 1989 में मीर साहब फातिमा सुप्रीम कोर्ट की प्रथम महिला जज बनीं तो सांड्रा या ओ%कुनुर ने अमेरिका में इस तरह का पद संभाला तो दुनिया भर में इस तरह का दूसरा मामला था। अलबत्त 1937 में ही भारत में अन्ना चांडी नाम की महिला को प्रथम मुंसिफ और फिर न्याय आसन संभालते देखा। आनंदीबाई जोशी 19वीं सदी में प्रथम भातीय महिला डाक्टर बनीं। सुमति मोरारजी जैसी साहसी उद्योगपति भी हमने देखा है।

अमेरिका और यूरोप में महिला सांसदों का रेसियो अब सुधर कर 25 से 30 प्रतिशत है। सब से अधिक महिला प्रतिनिधियों में रवांडा या क्यूबा या स्वीडन या मैक्सिको या यूएई जैसे छोटे देश हैं। लेटिन अमेरिका में तो 35 प्रतिशत स्त्रियां ही जनप्रतिनिधि हैं। ऐसे में भारत, चीन, जापान और अमेरिका जैसे बड़े देश उनके सामने बौने दिखाई देते हैं। लेकिन अब भारत नहीं दिखाई देगा।

भारत में अब महिला उम्मीदवारों की संख्या बढ़ी है। पर चुनी जाने वाली महिलाओं की संख्या उस हिसाब से नहीं है। आज भी विधानसभा या संसद में ये 10 से 15 प्रतिशत ही होती हैं। ज्यादातर इन्हें महत्वपूर्ण मंत्रालय भी नहीं मिलता। अब 542 में 82 की जगह 181 महिला सांसद होंगी। 2024 के चुनाव के बाद सचमुच ये महिलाओं की चिंता करेंगी तो महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों के लिए तत्काल कानून में संशोधन होना चाहिए। जैसे कि अमुक कौम में महिलाओं के जननांगों को छेदने का रिवाज है या अमुक में विधवा विवाह पर अघोषित प्रतिबंध है। कहीं बुर्का तो कहीं घूंघट जरूरी है। घर में आज भी महिलाएं अंत में खाती हैं, यह कुपोषण है। केवल परंपरागत कपड़े पहनने वाली णहिलाएं ही आदर्श मानी जाती हैं, बाकी की अपनी तरह आधुनिक आनंद करें तो तुरंत उन्हें चरित्रहीन मान लिया जाता है। सांसद बनने वाली नूरजहां या मीमी जैसों को भी जींस पहनने पर सुनना पड़ता है।

स्वयंवर की प्रथा वाले देश में पढ़ीलिखी महिला जीवनसाथी या ससुराल जाने वाली महिला पहनने का निर्णय खुद नहीं ले सकती। वेतन में बराबर काम या नाम होने के बावजूद भेदभाव होता है, महिला अकेली खाने या फिल्म देखने जाने में शरमाती या घबराती है।

इस तरह के अनेक मुद्दों पर क्रांति न भी हो तो देख लीजिएगा एक दिन महिलाएं यह हक छीन लेंगी। बाकी रोटेशन में चलने वाली इस तरह की बैठकें आरक्षण देने का खेल गांव, जिला या नगरपालिकाओं में सालों से चल रहा है। कठपुतली जैसी महिलाएं चुन लिए जाने का नाटक करती हैं, लेकिन उनका काम कोई दूसरा ही देखता है। गरीब या गर्भवती महिला आज भी गांव में रसोई, खेती, सिलाईकढ़ाई, पशुपालन, कपड़ा, सफाई और की देखभाल में 24 घंटे में 18 घंटे बिताती है। महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर मार, क्रूरता या मसाला करने से भारतीय नारी का अन्याय, अत्याचार और असमानता दूर नहीं होगी। इसके लिए साक्षरता ही नहीं, उच्च शिक्षा पर और महिला की सामाजिक-सांस्कृतिक मुक्ति पर ध्यान देना होगा। धार्मिक कारणों से चुन कर आने वाले गोडसेपूजक प्रज्ञा ठाकुर जैसी सांसदों की अपेक्षा अपने बल पर आगे आने वाली बस ड्राइवर नारी जाग्रति का प्रतीक मानी जाएगी। अभी हर क्षेत्र में महिलाएं बहुत पीछे हैं। किसी भी क्षेत्र में हमारे यहां की महिलाएं छोटे से छोटे देशों से पीछे हैं। हमारे यहां अभी भी भ्रूण हत्या होती है। रियल इश्यू सब से बड़ा यह है कि भारत का पुरुष अभी भी रूढ़िवादी है। आज भी घर के कामों की जिम्मेदारी महिलाओं की है। राजनीति में हर राबड़ी के पीछे एक लालू है तो हर जहांगीर के पीछे एक नूरजहां भी है। महिला को परदे के पीछे से राजनीति को प्रभावित करने अगणित घटनाएं इतिहास ने देखा है। पुरुष द्वारा लिए गए असंख्य राजनीतिक निर्णय उसकी मां, पत्नी, बेटी या प्रेयसी द्वारा समझाए या सुझाए देखने को मिलते रहे हैं और मिलते भी रहेंगे।

तो स्वागत है राजनीति में परदे के पीछे के बदले अधिक महिलाएं आगे आने के श्रीगणेश का। श्वेताश्वेतर उपनिषद तो कहता है शक्तिपूजक भारत का... त्व स्त्री, त्व पुमानसि, त्व कुमार उतवा कुमारी अर्थात तुम ही स्त्री हो, तुम ही पुरुष हो तुम्हीं कुमार और कुमारिका भी तुम्हीं हो।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

लोकसभा के चुनावी मुद्दों की परीक्षा

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव किसी भी राज्य के सामान्य चुनाव की तरह नहीं है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे इन चुनावों में ऐसे मुद्दों या ऐसे एजेंडों की परीक्षा होनी है, जिन पर लोकसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा अब तक जिन मुद्दों पर चुनाव लड़ती रही है उनमें वह कुछ नए मुद्दे जोड़ती चलती है, उन सबकी परीक्षा इन चुनावों में होगी। साथ ही विपक्षी पार्टियों के गठबंधन यानी 'इंडिया' की ताकत के साथ साथ उनकी ओर से उठाए गए नए और पुराने मुद्दों की भी परीक्षा होगी। ध्यान रहे जुलाई में 'इंडिया' के गठन के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है और इसके नतीजों से गठबंधन का भविष्य तय होना है। इसी तरह गाजे-बाजे के साथ आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विश्वगुरू या विश्वमित्र की जो छवि गढ़ी है उसके बाद भी पहली बार चुनाव होने जा रहा है। ऐसे समय में यह चुनाव हो रहा है, जब राम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास की खबरों की खुशबू फिजां में तैर रही है और पांच सौ साल बाद रामलला के अपने घर में विराजने की हवा बनाई जा रही है।

तभी 'इंडिया' और एनडीए या कांग्रेस और भाजपा के बीच जोर-आजमाइश में स्वाभाविक तौर पर पहली परीक्षा दोनों गठबंधनों या दोनों बड़ी पार्टियों की ताकत की परीक्षा है। किसने किस तरह से तैयारी की, कैसे उम्मीदवारों का चयन किया, किस तरह से प्रचार किया और किस तरह से चुनाव का प्रबंधन किया, इसकी परीक्षा है। लेकिन इसके साथ साथ इन चुनावों में उन मुद्दों की भी परीक्षा होगी, जिन पर अगला लोकसभा चुनाव होना है। ऐसे चार या पांच मुद्दे हैं, जिनके बारे में फिलहाल यह कहा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों की ओर से अगले चुनाव में इनका इस्तेमाल होगा। ये मुद्दे हैं महिला आरक्षण, जाति गणना, मुफ्त की रेवड़ी, नेतृत्व और हिंदुत्व व राष्ट्रवाद। किसी न किसी रूप में ये मुद्दे पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव में आजमाए जाएंगे। इनकी सफलता या विफलता से तय होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में मुद्दे ये ही रहेंगे या इसमें कुछ प्लस-माइनस होगा।

अगर विपक्ष के कोर मुद्दे की बात करें तो वह जातीय गणना और आरक्षण का है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुला कर महिला आरक्षण कानून पास कराया है। हालांकि अभी महिला आरक्षण लागू नहीं हो रहा है लेकिन इस कानून के दम पर प्रधानमंत्री महिला हितैषी होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी इस कानून का समर्थन किया था और उसके नेता भी इस कानून का श्रेय ले रहे हैं लेकिन साथ ही वे इस बात का विरोध भी कर रहे हैं कि इसमें पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है। इस आधार पर विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार और भाजपा को पिछड़ा विरोधी बता रही हैं। महिला आरक्षण के साथ साथ जाति गणना का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। बिहार में जाति गणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी पार्टियों ने पूरे देश में जाति गणना कराने का ऐलान किया है। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में इसका प्रस्ताव पास कराया गया और पिछड़ी जातियों की राजनीति की मशाल लेकर जातीय नेताओं के आगे आगे राहुल गांधी चल रहे हैं। सो, जाति गणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाना कांग्रेस का कोर मुद्दा है बाकी सारे मुद्दे इसके ईर्द-गिर्द पूरक की तरह हैं। अगर पांचों राज्यों में कांग्रेस को इसका फायदा मिलता है तो वह

और आक्रामक होगी। अगले लोकसभा चुनाव तक कांग्रेस शासित राज्यों में जातीय गणना कराने और जातियों की संख्या के हिसाब से आरक्षण की सीमा बढ़ाने का फैसला हो सकता है। फिर राहुल गांधी का 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा लोकसभा तक चलेगा।

अगर भाजपा के कोर मुद्दे की बात करें तो वह नेतृत्व का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व का डंका भाजपा की ओर से बजाया जा रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन और अफ्रीकी संघ को उसका सदस्य बनाने के बाद भाजपा और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बार बार भारत को विश्वमित्र कहा जा रहा है। भारत को ग्लोबल साउथ का लीडर बताया जा रहा है। मोदी की हिंदुवादी, राष्ट्रवादी नेता की छवि पहले से रही है। अब विश्व के सबसे बड़े नेता की छवि गढ़ी गई है। इसकी परीक्षा पांच राज्यों में होनी है और इसलिए होनी है क्योंकि पांचों राज्यों में भाजपा उनके चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने इस बार किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं घोषित किया है। इसके उलट कांग्रेस ने सभी राज्यों में चुनाव प्रादेशिक क्षत्रपों के हवाले छोड़ा है। सो, मोदी बनाम प्रादेशिक क्षत्रप चुनाव हो रहा है। एक बनाम अन्य का मुकाबला है। लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष कोई चेहरा पेश नहीं करेगा, जबकि भाजपा की ओर से नरेंद्र मोदी का चेहरा होगा। सो, उस चुनाव का रिहर्सल राज्यों में होगा।

इन दो के अलावा बाकी मुद्दे बहुत कॉमन हो गए हैं। उसमें पक्ष और विपक्ष का भेद मिट गया है। ऐसे मुद्दों में मुफ्त की रेवड़ी और हिंदुत्व का जिक्र किया जा सकता है। दोनों पार्टियों के बीच इन मुद्दों पर एक राय है। हालांकि भाजपा की ओर से कांग्रेस को हिंदू विरोधी ठहराने की कोशिश हो रही है। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की सभा में कहा कि कांग्रेस के राज में हिंदू त्योहारों पर पथराव होता है। उन्होंने जोधपुर में एक हिंदू दर्जी की हत्या का भी जिक्र किया। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश के नेता भी हिंदुवाद के एजेंडे को छोड़ नहीं रहे हैं। मध्य प्रदेश में कमलनाथ अपने को बड़ा हिंदुवादी साबित करने में लगे हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र में बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री को बुला कर उनका दिव्य दरबार लगवाया। सनातन विरोध का माहौल न बने इसके लिए उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की भोपाल में प्रस्तावित रैली रद्द करा दी। ऐसे ही छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार गाय का गोबर और गोमूत्र खरीद रही है तो राम वन गमन पथ भी बनवा रही है। अगर इन राज्यों में कांग्रेस को कामयाबी मिलती है तो अगले लोकसभा चुनाव में नरम हिंदुत्व के रास्ते पर ही कांग्रेस भी चलती दिखेगी।

मुफ्त की रेवड़ी मामले में भी दोनों पार्टियों की राजनीति एक जैसी है। कांग्रेस ने कर्नाटक की तर्ज पर मध्य प्रदेश में महिलाओं को दो हजार रुपए महीना देने का ऐलान किया तो शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने लाड़ली बहना योजना शुरू करके महिलाओं को साढ़े 12 सौ रुपए महीना देना शुरू भी कर दिया। कांग्रेस ने राजस्थान में पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया तो केंद्र की मोदी सरकार ने उज्ज्वला के तहत मिलने वाले रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़ा कर दो सौ कर दी, जिससे सभी लाभार्थियों को छह सौ रुपए में सिलेंडर मिलने का रास्ता साफ हो गया। अब कांग्रेस नर्सरी के बच्चों को भी हर महीने नकद पैसे देने का वादा कर रही है। जिस राज्य में जिसकी सरकार है उसने चुनावी साल में खजाना खोल दिया तो जो विपक्ष में है वह खजाना खोलने का वादा कर रहा है। इसकी परीक्षा भी चुनाव में होगी। अगर ज्यादा से ज्यादा मुफ्त की रेवड़ी देने का वादा करने वाला कामयाब होता है तो अगले लोकसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा मुद्दा होगा।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मेरी जान

मेरी जान,कभी ऐसा ना करना,
कि मैं रूठ जाऊँ तों मुझे अकेला मत छोड़ना
मैं कभी रोदुँ,तों मुझे चुप कराना।
बिना बात के,मुझसे रुठ ना जाना।
कुछ गलती हों जाए,
तों प्यार सें समझाना।
कभी शक हों जाए,तों मुझसे एक बार बात करना।
इस प्यार के बधंन को,
कभी भूल मत जाना।
अपने घर को बचाना,बड़े प्यार सें सजाया हैं कभी इस बर्बाद ना होनें देना।
मेरी जान मुझे बस अपनें संग ही रखना,किसी और के भरोसे छोड़ ना देना।
मुझे हमेशा अपनी इज्जत समझना,बाजारों में नीलाम ना करना।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

गजल

आखिर जंग का हासिल क्या,
राह में कांटे न हो फिर मंजिल क्या।
उफनती नदी देखकर जो डर जाएं,
नदी किनारे बैठ रहें वो साहिल क्या।
हर किसी की खामोशी को समझें,
ऐसा इंसान फिर अब जाहिल क्या।
सच कहने पर भी जो रूठ जाएं,
गुस्सा करें,वो इंसान फिर काबिल क्या।
जीवन में जो अनजाने में भूल कर दें,
वो इंसान फिर अब कफिल क्या।
परिवार में आएं संकट तो साथ न दें,
भाग खड़ हो फिर रिश्तो में सामिल क्या।

कुमारी गुड़िया गौतम
जलगांव
महाराष्ट्र

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

फेर छले बर आहीं,सहर गाँव म

गैरी गजब मताहीं, सहर गाँव म।
फेर छले बर आहीं, सहर गाँव म।
चउक चउक अब चुगली-चारी।
चरचा होही भारी-भारी।
आहीं बनके हमरे हितवा। बाहिर छेरी, भीतर चितवा।
निच्चट के नजराहा नखरा। पाँच बछर बर लहुटे पखरा।
घर-घर ला लड़वाहीं, सहर गाँव म।
फेर छले बर आहीं, सहर गाँव म।1
कइहीं हम जन-जन के आसा।
चपक खखोरी सकुनी पासा।
बाना धारे सादा सिधवा। रचे-बसे हे अंतस गिधवा।
थथर-मथर करहीं मिठलबरा। चतुरा इन चिम्मड़ चितकबरा।
ररुहा कस रतियाहीं, सहर गाँव म।
फेर छले बर आहीं, सहर गाँव म।2
बाते-बात म दीदी-भइया। पार लगाहू मोरो नइया।
धपोरवामन धुर्रा धरहीं, टपटप सबके पाँव ल परहीं।
थूँके थूँक म बरा चुरोहीं। सात जनम के आस पुरोहीं।
हमरे किरिया खाहीं, सहर गाँव म
फेर छले बर आहीं, सहर गाँव म
गैरी गजब मताहीं, सहर गाँव म।
फेर छले बर आहीं सहर गाँव म।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कन्हैया साहू अमित
भाटापारा
छत्तीसगढ़

आज का दिन

बस आज का दिन ही
विशेष है जीवन में।
न बिताना इसे साथी
रंजो गम उलझन में।।
कौन कहाँ बिछड़ जाए
जीवन डगर में हमसे,
बैर भाव किसी के प्रति
मत रखना मन में।
प्यार के जुगनुओं से
रोशन कर लो दिल,
नहीं दिखता है सूरज
हमेशा गगन में।
जो है वह आज है,अब है,अभी है,
न दोबारा लौटेंगी
यह बहार उपवन में।
क्यों हसीं लम्हे तकरार में गुजार दें
भर लें प्यार की नेमत
हम अपने दामन में।
है चंद रोज की
मेहमान सी यह जिंदगी,
रुक जाती है साँसें
एक पल में जहन में।
एक लम्हे में सदियाँ
आओ जी लें हम प्रीति,
भरकर इश्क का नूर
हर धड़कन में।

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

हर विधानसभा में 10 संगवारी मतदान केंद्र जहां महिलाएं कराएंगी वोटिंग

विशेष मतदान केंद्रों हेतु पोलिंग अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में बनाए गए विशेष मतदान केन्द्रों के लिए मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को प्रशिक्षण के पहले दिन जिला पंचायत के सभागार में संगवारी मतदान केंद्र हेतु महिला मतदान अधिकारियों तथा लाइवलीहुड कॉलेज के सभागार में यूथ बूथ युवा मतदान केंद्र के मतदान दल के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों द्वारा विशेष मतदान केंद्र के संचालन के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान ईव्हीएम, वीवीपैट संचालन, ईवीएम सीलिंग, मतदान संबंधी प्रपत्र भरने, ईवीएम सीलिंग, मॉक पोल, रिकॉर्ड संधारण सहित अन्य कार्यों को विस्तार से बताया गया। जिला पंचायत सभाकक्ष में संगवारी मतदान केंद्रों हेतु कुल 100 पीठासीन तथा लाइवलीहुड कॉलेज के सभागार में युवा मतदान केंद्रों हेतु कुल 51 युवा मतदान अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी प्रकार 20 अक्टूबर को संगवारी मतदान केंद्र हेतु महिला पोलिंग अधिकारी का जिला पंचायत सभाकक्ष में तथा दिव्यांग मतदान केंद्र हेतु युवा पोलिंग अधिकारी का प्रथम प्रशिक्षण 20 अक्टूबर को कलेक्टोरेट कार्यालय सभाकक्ष आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार जिले में मतदाताओं को आकर्षित करने एवं मतदान प्रतिशत में वृद्धि करने विशेष मतदान केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा में महिला कर्मियों द्वारा प्रबंधित 10 संगवारी मतदान केंद्र हैं। वहीं दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित 1 मतदान केन्द्र और युवा प्रबंधित 1 मतदान केंद्र हैं और 5 मतदान केंद्रों को सर्वसुविधायुक्त आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया हैं।

लुण्ड्रा विधानसभा

विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा हेतु संगवारी मतदान केंद्र के लिए कतकालो-2, दर्रीडीह, पचपेड़ी, करजी-ख, रघुनाथपुर, कुंवरपुर-2, सोहगा-1, कतकालो-1, बटवाही-ख, दरिमा-1 शामिल है, इसी प्रकार दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केन्द्र सक्षम मतदान केंद्र हेतु सोहगा-2, युवा प्रबंधित मतदान केंद्र हेतु सायरराई का चयन किया गया है। सर्व सुविधा युक्त आदर्श मतदान केंद्र के लिए करजी-ख, रघुनाथपुर, कुंवरपुर-2, सोहगा-2, सायरराई चयनित है।

अंबिकापुर विधानसभा

अम्बिकापुर हेतु संगवारी मतदान केंद्र के लिए प्रतापपुर नाका, डिगमा, बाबूपारा नया बस स्टैण्ड, दर्रीपारा केंद्रीय जेल, दर्रीपारा महिला हॉस्पिटल, देवीगंज रोड स्कूल रोड, विजय मार्ग चर्च रोड, फुन्दूरडिहारी पटेलपारा, नवापारा, टीसीपीसी एरिया चयनित है, इसी प्रकार दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केन्द्र सक्षम मतदान केंद्र हेतु रामपुर, युवा प्रबंधित मतदान केंद्र हेतु मायापुर, थीम बेस्ड मतदान केंद्र पहाडकोरजा का चयन किया गया है। इनमें से सर्व सुविधा युक्त आदर्श मतदान केंद्र के लिए चांदनी चौक, केदारपुर सहेली गली, प्रतापपुर नाका, बाबूपारा नया बस स्टैंड, नावापारा चयनित है।

विधानसभा सीतापुर

सीतापुर हेतु संगवारी मतदान केंद्र के लिए बरगवां-1, बरगवां-2, बरगई, बेलकोटा, कुंकुरीकलां-1, बतौली-2, खड़धोवा, बोदा-1, बिलासपुर-1,बिलासपुर-2 चयनित है, इसी प्रकार दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केन्द्र सक्षम मतदान केंद्र हेतु गहिला-2, युवा प्रबंधित मतदान केंद्र हेतु बेल्जोरा चयन किया गया है। इनमें से सर्व सुविधा युक्त आदर्श मतदान केंद्र के लिए बिलासपुर-1, बिलासपुर-2, नर्मदापुर-1, नर्मदापुर-1, नर्मदापुर-2, सीतापुर-1 चयनित है।

निकलने वाली शोभायात्रा की स्थिति का जायजा लेने शहर में निकले अधिकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा के अवसर पर हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। गुरुवार की शाम को नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, एसडीएम पुपलेश कुमार, एसडीएम पूजा बंसल सहित अन्य अधिकारियों ने हिन्दू युवा मंच के सदस्यों के साथ शहर का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया।

24 अक्टूबर को दशहरा के दिन हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर के कलाकेन्द्र मैदान से भगवान श्रीराम की झांकी के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो देवीगंज रोड होते हुए सीधे महामाया मंदिर पहुंचेगी। यात्रा के दौरान उज्जैन के डमरू वादक भी उपस्थित रहेंगे। महामाया मंदिर पहुंचने के बाद गंगा महाआरती की जायेगी। मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक संख्या में लोगों को रैली में सम्मिलित होने की अपील की गई है। वहीं गुरुवार की शाम को नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, एसडीएम पुपलेश कुमार, एसडीएम पूजा बंसल सहित अन्य अधिकारियों ने हिन्दू युवा मंच के सदस्यों के साथ शहर का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया।

एसपी ने चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

चेक पोस्ट का औचक निरीक्षक किया गया निरीक्षण में अधिकारियों कर्मचारियों से आदर्श आचार संहिता के दौरान सुरक्षा जांच में बरते जाने वाली आवश्यक सावधानियों सहित चेक पोस्ट में सुरक्षा जांच के दौरान अन्य प्रांतो एवं जिलों से आने वाले वाहनों का नंबर एवं वाहन चालक के नाम एवं पहचान दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के संदिग्ध गतिविधियों को रोकने सख्त निर्देश दिए गए। इसके साथ ही ड्यूटी में तैनात चेक पोस्ट टीम के अधिकारियों कर्मचारियों को सतर्क रहकर सुरक्षा जांच करने के दिशा निर्देश दिए गए। अम्बिकापुर-लटोरी रोड स्तिथ चठीरमा बॉर्डर चेक पोस्ट की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चेक पोस्ट में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों को आमनागरिकों से शालीनता पूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए गए।

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव को लेकर सरगुजा पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था हेतु चेक पोस्टों, सीमावर्ती सरहदी क्षेत्रों में कड़ी नाकाबन्दी व पुलिस बल तैनात किए गए हैं। गुरुवार को एसपी सुनील शर्मा द्वारा बॉर्डर, चेक पोस्ट सहित नाकाबंदी की व्यवस्था का जायजा लिया गया। सबसे पहले अंबिकापुर-सूरजपुर रोड स्तिथ कालीघाट

दिव्यांग मतदाताओं के लिए वन स्टॉप शॉप है सक्षम ईसीआई मोबाईल एप

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यों के सुचारू संपादन, मतदाताओं की मदद करने और निर्वाचन संबंधी कार्यों में सुगमता लाने विभिन्न ऐप और पोर्टल उपलब्ध कराए गए हैं, जो मतदाताओं एवं अभ्यर्थियों दोनों के ही लिए बेहद मददगार हैं। इन्हीं में से एक है सक्षम ईसीआई मोबाईल एप, यह दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए आयोग द्वारा विकसित किया गया है। दिव्यांग मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने के लिए इस ऐप का उपयोग कर सकते हैं।ऐप को दो-तरफ़ा इंटरैक्टिव प्लेटफ़ॉर्म के रूप में डिज़ाइन किया गया है और यह दिव्यांग मतदाताओं के लिए पंजीकरण से लेकर मतदान के दिन की सुविधाओं तक वन-स्टॉप शॉप है। सक्षम ईसीआई ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल सेंटर पर उपलब्ध है। एप में डिज़ाइन, लेआउट, इंटरफ़ेस और सुविधाओं को नया रूप दिया गया है तथा एप के इंटरफ़ेस को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है जिसमें उपयोगकर्ता स्क्रीन रीडर, टेक्स्ट टू स्पीच सेवा, दृश्यता संवर्धन, रंग समायोजन आदि के माध्यम से ऐप को नेविगेट कर सकता है। मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया से लेकर मतदान के दिन पिक एंड ड्रॉप सुविधा का लाभ उठाने तक एप का उपयोग कर सकते हैं। उपयोगकर्ता के पास एक सक्रिय मोबाइल नंबर होना चाहिए जिस पर ऐप की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए ओटीपी भेजा जाएगा। मतदाताओं के लिए ऐप में कई विकल्प उपलब्ध हैं जैसे नए मतदाता पंजीकरण, दिव्यांगजन के रूप में चिन्हित करने, प्रवास, सुधार, हटाने, आधार प्रमाणीकरण के लिए अनुरोध करने की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही निगरानी, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं, मतदान केंद्र में व्हील चेयर के लिए रिक्वेस्ट, पिक एंड ड्रॉप के लिए अनुरोध, सहायता के लिए अनुरोध, मतदाता सूची में अपना नाम खोजना, अपने मतदान केंद्र को जानने, बूथ लोकेटर, अपने उम्मीदवारों को जानने, शिकायतें दर्ज करने आदि की सुविधा उपलब्ध हैं।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सुगम मतदान संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता

- » मतदान केंद्रों तक पहुँच मार्गों की हो बेहतर व्यवस्था - कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
- » कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने अधिकारियों को किया निर्देशित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

सुगम मतदान संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के समस्त मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। हर वर्ग के मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुरूप एएमएफ यानी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं पर संबंधित अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में सुगम मतदान संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। सभी मतदाताओं, दिव्यांगजन एवं बुजुर्गजनों सभी के लिए आवागमन की बेहतर मार्ग हो। मतदान केंद्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं साफ सफाई, शुद्ध पेयजल, मतदाताओं व मतदान कर्मियों को बैठने की समुचित व्यवस्था, बिजली की उपलब्धता, दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतदान केंद्रों तक पहुंच मार्गों की व्यवस्था भी बेहतर हो। मतदान दलों, मतदान कर्मियों, मतदाताओं को मत देने हेतु मतदान केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की समस्या ना हो, यह सुनिश्चित करें। पहुंचविहीन मतदान केंद्रों और खराब स्थिति वाले सड़कों एवं पहुँचमार्गों को जल्द ठीक कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। सभी एसडीओ कार्ययोजना बनाकर काम करें एसडीओ आरईएस, जनपद सीईओ के साथ संयुक्त रूप से फील्ड विज़िट कर पहुंच मार्गों की स्थिति की जांच करें और आवश्यक सुधार शीघ्र सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन ने कहा कि निर्वाचन से सम्बंधित कार्यों में कोताही ना बरतें, अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बैठक में आमजन की सुविधा हेतु नगर निगम क्षेत्र में सड़कों सहित स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था ठीक किए जाने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा के रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर टेकचंद अग्रवाल, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम अम्बिकापुर श्रीमती पूजा बंसल, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम सीतापुर श्री रवि राही सहित समस्त एसडीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एसईसीएल कर्मी के सूने मकान का ताला तोड़कर नकद समेत 10 लाख की चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के मायापुर चांदनी चौक निवासी राकेश सोनी चिरमिरी स्थित कोल माइंस में पदस्थ है। वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ चिरमिरी में ही रहता है। कुछ दिन पूर्व वह ताला मकान में ताला लगाकर चिरमिरी गया था। इसी बीच 16 अक्टूबर को उसके बड़े भाई राजेश सोनी ने फोन कर बताया कि उसके घर का ताला टूटा हुआ है। यह बात सुनकर वह अंबिकापुर आया और घर के भीतर जाकर देखा तो सामान बिखरा हुआ था। वहीं बेडरूम में रखी आलमारी से 30 हजार रुपए नकद व करीब 10 लाख के सोने-चांदी के जेवर गायब थे।एसईसीएल कर्मी ने 18 अक्टूबर को घर में हुई चोरी की रिपोर्ट कोतवाली थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 379, 34 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है।

ऑनलाइन रुपए कमाने के चक्कर में व्यवसायी ने गंवाए 17 लाख

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

ऑनलाइन के माध्यम से रुपए कमाने के चक्कर में एक व्यवसायी ने 17 लाख रुपए गवां दिए। अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर उबर इट्स वेबसाइट में ऑनलाइन आरक्षण कर महीने में 45 हजार रुपए कमाने का झांसा दिया गया था। जुडने के बाद कुछ रुपए भी आए थे। इसके बाद पंजीयन के नाम पर कुल 17 लाख रुपए ऑनलाइन ठगी कर ली गई। ठगी का एहसास होने पर व्यवसायी ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आशीष इक्षसह गांधीनगर थाना क्षेत्र के फुंदुरडिहारी का रहने वाला है। जून महीने में इसके माबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था और उबर इट्स ऑनलाइन वेबसाइट के बारे में जानकारी दी थी। वह बताया था कि इस वेबसाइट से जुड़कर आप हर महीने 45 से 50 हजार रुपए कमा सकते हैं। इसके लिए आपको ऑनलाइन आरक्षण कराना पड़ेगा। इसके झांसे में आकर आशीष सिंह ने उबर इट्स में ऑनलाइन आरक्षण कर दिया। आरक्षण करने के बाद कुछ दिनों तक इसे रुपए भी मिले। इसके बाद रुपए आना बंद हो गया। अज्ञात व्यकित ने पुनः इसके मोबाइल पर संपर्क किया और आरक्षण कराने की बात कही। उबर इट्स में ऑनलाइन आरक्षण के नाम पर जून से अब तक कुल 17 लाख रुपए इससे ऑनलाइन ठगी कर लिया गया। ठगी का एहसास होने पर आशीष सिंह ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420 व 66 डी के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जूनियर एकल डांस प्रतियोगिता में नौनिहालों ने बांधा शमा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अनोखी सोच संस्था द्वारा दुर्गा-पूजा महोत्सव में रंगारंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में आज जूनियर एकल डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 13 वर्ष से कम नौनिहालों ने अपने आकर्षक एवं मनमोहक डांस से शमा बांध दिया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आज के कार्यक्रम में कुल 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें जजों द्वारा बड़ी सूझबूझ से सेमीफाइनल के लिये 20 लोगों का चयन किया गया। आज के कार्यक्रम में भानुशंकर झा, विवेक मिश्रा, रमिंदर कौर, एवं तनुदीप कौर बाबरा ने जज के रूप में महती भूमिका अदा की। मुख्य अतिथि के रूप में गीता प्रजापति, सीमा सोनी, पूर्णिमा सिंह, प्रमोद चौधरी, पापिन्दर सिंह, जीवन यादव, शंकर प्रजापति, अशोक अग्रवाल, जवाहर सोनी उपस्थित रहे। इन सभी माननीयों का संस्था के सदस्यों द्वारा यथोचित सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू, अभय साहू, पंकज चौधरी,भुनेश्वर साहू, चंद्रप्रताप सिंह, सुनील साहू, दिनेश गर्ग, राकेश शुक्ला, संतोष साहू, सावन केरकेट्टा, राकेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, ननकू मुंडा, रोहित सिंह, मिथिलेश साहू, सूरज साहू, डब्लू साहू, विकाश मिश्रा, अमित जायसवाल, राहुल शुक्ला, अनिल दास, एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को भ्रष्टाचार मामले में बड़ी राहत ?...1.7 करोड़ हुए थे बरामद

कोलंबो, 19 अक्टूबर 2023 । श्रीलंका के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग से राष्ट्रपति आवास नकदी मामले में गोटाबाया राजपक्षे को बड़ी राहत मिली है। पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप हटाने का फैसला सुनाया है। सबूतों की कमी का हवाला देते हुए, आयोग ने पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ मामला हटा दिया। जुलाई 2022 में श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन के पास प्रदर्शनकारियों ने 17 मिलियन रुपये (करीब 1.7 करोड़) से अधिक की राशि बरामद होने का दावा किया था।

आयोग ने कोर्ट से कहा- कानूनी कार्यवाही नहीं कर सकते

रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबीओसी) ने बुधवार को कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत को रिपोर्ट दी। इसमें कहा गया कि सबूतों की कमी के कारण 74 वर्षीय राजनेता के खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया, डेली मिरर ऑनलाइन की गुरुवार की रिपोर्ट के अनुसार, आयोग ने अदालत को सूचित किया कि सबूत पर्याप्त नहीं है। ऐसे में आगे की कानूनी कार्यवाही नहीं की जाएगी।

15 महीने पहले की घटना

गौरतलब है कि राजपक्षे के खिलाफ श्रीलंका में बड़ा विद्रोह हुआ था। जनता के आक्रोश के बीच पिछले साल 9 जुलाई को राजपक्षे राष्ट्रपति भवन से भाग गए थे। इसके बाद फोर्ट कोलंबो में राष्ट्रपति भवन में 17 मिलियन रुपये से अधिक नकदी बरामद होने की खबरें सामने आई थीं।

प्रदर्शनकारियों ने बरामद किए पैसे, पुलिस को दिया

पिछले साल जुलाई में हजारों प्रदर्शनकारियों ने गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग करते हुए राजधानी- कोलंबो के राष्ट्रपति भवन पर धावा बोल दिया था। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने 17.85 मिलियन रुपये से अधिक नकदी बरामद करने का दावा किया और उन्हें कोलंबो फोर्ट पुलिस को सौंप दिया।

तीन घंटे तक चली थी गवाही

बाद में राजपक्षे ने नकदी वापस करने के लिए अदालत में आवेदन किया था। हालांकि, कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इस साल की शुरुआत में उनसे इस मामले में श्रीलंका पुलिस ने भी पूछताछ की थी। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा था कि अदालत के निर्देशानुसार उनके निजी घर पर तीन घंटे का बयान दर्ज किया गया था।

1.7 करोड़ रुपये पर राजपक्षे का बयान

अदालत के समक्ष दर्ज बयान में राजपक्षे ने कहा है कि राष्ट्रपति कार्यालय में मिला पैसा उनका है, लेकिन जनाक्रोश और व्यापक विरोध-प्रदर्शन के समय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वे पैसों की देखभाल नहीं कर सके। डेली मिरर पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, गोटाबाया ने पुलिस को बताया कि पैसा उनका ही है और इसे उन लोगों के बीच बांटा जाना था जिनके घर प्रदर्शनकारियों ने बर्बाद कर दिए थे।

जनता के गुस्से से डरे राजपक्षे श्रीलंका छोड़कर भागे

बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति पिछले साल 13 जुलाई को श्रीलंका से भागकर मालदीव चले गए थे। मालदीव के बाद गोटाबाया सिंगापुर गए। उन्होंने 14 जुलाई को अपना इस्तीफा भेज दिया। इसके बाद रानिल विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ हो गया। फिलहाल, रानिल ही श्रीलंका के राष्ट्रपति हैं। इस्तीफे के बाद राजपक्षे ने थाईलैंड के लिए उड़ान भरी थी। जनता का गुस्सा शांत होने के बाद गोटाबाया 2 सितंबर को श्रीलंका लौटे थे।

गलत काम के आरोप, श्रीलंका में दशकों से दबदबा

रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपक्षे और उनके परिवार पर 2015 और 2019 के बीच गलत काम करने के कई आरोप लगे। बता दें कि श्रीलंका की सियासत में बेहद शक्तिशाली राजपक्षे परिवार का श्रीलंका की राजनीति पर दो दशकों से अधिक समय से दबदबा रहा है।

सियासत में राजपक्षे परिवार का दमखम

राजपक्षे परिवार के 77 वर्षीय मुखिया महिंदा राजपक्षे देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री रह चुके हैं। पिछले साल देश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच उन्हें भी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

हम चाहते हैं आपकी जीत हो, ब्रिटेन आपके साथ; इस्राइल दौरे पर ऋषि सुनक ने नेतन्याहू से निभाई दोस्ती

तेल अवीव,19 अक्टूबर 2023 । ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक गुरुवार को इस्राइल का दौरा किया। वहां उन्होंने इस्राइली समकक्ष नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान ब्रिटेन ने इस्राइल के अधिकारों का समर्थन किया है। प्रेसवार्ता में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, ऐसी भयानक परिस्थितियों में इस्राइल का दौरा करने का मुझे दुख हैं। मैं ब्रिटिश लोगों की गहरी संवेदना साझा करना चाहता हूं। हम इस्राइल के अधिकारों का खुलकर समर्थन करते हैं। हम यह भी जानते हैं कि फलस्तीन लोग भी हमास के पीड़ित हैं। ब्रिटिश पीएम ने येरुशलम में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद संयुक्त बयान दिया।

संयुक्त बयान जारी करते हुए ब्रिटेश के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, पिछले दो हफ्तों से यह देश ऐसे दौर से गुजर रहा है, जिसे सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के इस्राइल के फैसले का स्वागत करते हैं कि गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश के लिए रास्ते खोले जाएंगे। सुनक ने कहा, मुझे खुशी है कि आपने यह निर्णय लिया। हम इसका समर्थन करेंगे। हम यह भी चाहते हैं कि आप जीतें।

वहीं संयुक्त बयान के दौरान इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा, यह सिर्फ हमारी लड़ाई नहीं है, बल्कि पूरी सभ्य दुनिया की लड़ाई है। हमें एक साथ खड़े होने और जीतने की जरूरत है।

इजराइल-हमास के बीच चल रहे युद्ध के बीच ब्रिटिश पीएम गुरुवार को इजराइल पहुंचे। इससे पहले गुरुवार को सुनक ने येरुशलम स्थित अपने कार्यालय में नेतन्याहू के साथ एक निजी बैठक की। वहीं ऋषि सुनक ने गुरुवार को इस्राइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से भी मुलाकात की। हर्जोग ने कहा कि ऐसे कठिन दौर में हमने स्पष्ट देखा कि इस्राइल के सच्चे दोस्त कौन हैं।

सुरक्षा कारणों से 8 फ्रांसीसी हवाई अड्डों को खाली कराया गया

पेरिस,19 अक्टूबर 2023। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से फ्रांस में आठ हवाई अड्डों को खाली कराया गया। जो हवाईअड्डे प्रभावित हुए, उनमें पेरिस के पास ब्यूवैस, स्ट्रासबर्ग, नैनटेस, बियारिट्ज़, टूलूज़, लिली, ल्योन-ब्रॉन और नीस के हवाईअड्डे शामिल हैं। ब्यूवैस हवाई अड्डे की ओर से कहा गया कि इसे एक अज्ञात धमकी के बाद ऐसा किया गया। बम की धमकी के कारण स्ट्रासबर्ग और नैनटेस को खाली करा लिया गया।

इस बीच, बम की आशंका के कारण बियारिट्ज़, टूलूज़, लिली और ल्योन-ब्रॉन के हवाई अड्डों को भी खाली कराया गया। लेकिन पुलिस कार्रवाई के बाद सभी चार हवाई अड्डों पर परिचालन फिर से शुरू हो गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, नाइस हवाईअड्डे ने बुधवार शाम को सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। इसके अलावा बुधवार को, पेरिस के पास वर्सेल्स पैलेस से एक सप्ताह से भी कम समय में तीसरी बार सुरक्षा कारणों से आगंतुकों को बाहर निकाला गया। हालांकि लोकप्रिय पर्यटन स्थल दिन में बाद में आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया गया।

एक संदिग्ध वस्तु के कारण और सप्ताहांत में बम की धमकी के कारण कार्यक्रम स्थल को खाली करना पड़ा। 14 अक्टूबर को, पेरिस में लौवर संग्रहालय को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया था लेकिन अगले दिन फिर से खोल दिया गया। पिछले हफ्ते, प्रधान मंत्री एलिज़ाबेथ बोर्न ने उत्तरी शहर अर्रास के एक स्कूल में एक हमलावर द्वारा एक शिक्षक की चाकू मारकर हत्या करने और तीन अन्य लोगों को घायल करने के बाद देश को उच्चतम सुरक्षा अलर्ट पर रखा था। हाल के वर्षों में फ्रांस सिलसिलेवार इस्लामी हमलों से प्रभावित हुआ है।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय का धार्मिक सहिष्णुता पर जोर,इस्राइल-गाजा युद्ध के बीच कही यह बात

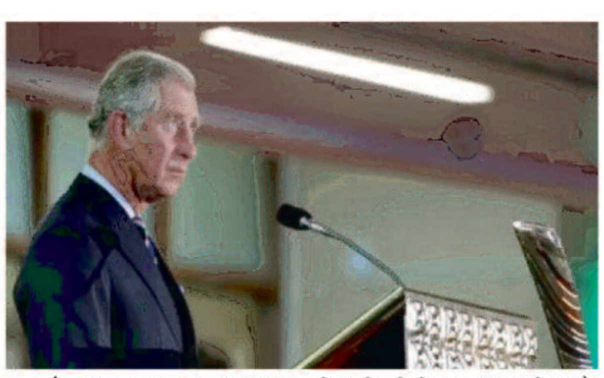

लंदन,19 अक्टूबर 2023। इस्राइल-गाजा के युद्ध में मारे गए लोगों के परिवार प्रति ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय ने संवेदना व्यक्त की। मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और बहु आस्था दृष्टिकोण के महत्व की वकालत की।

बुधवार शाम लंदन शहर के मेंशन हाउस में दिए अपने संबोधन में चार्ल्स तृतीय ने कहा ब्रिटेन समुदायों का समुदाय है। हमारे पास साझा मूल्य एक साथ रखने की ताकत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिटिश समाज दुनिया के चारों कोनों से आए नागरिकों द्वारा साझा इतिहास और अनुभवों से भरे गहरे कुओं से पोषित और समृद्ध हुआ था।

अपने संबोधन में चार्ल्स ने कहा, विज्ञान की प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव पर भी विचार किया। हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने हास्य की स्वस्थ भावना के महत्व पर प्रकाश डाला जो ब्रिटिश जीवन की विशेषता है। ब्रिटिश हास्य की भावना विश्व प्रसिद्ध है। यह वह नहीं है जो हम करते हैं। यह वह है जो हम हैं। खुद पर हंसने की हमारी क्षमता हमारी महान राष्ट्रीय विशेषताओं में से एक है। ठीक उसी तरह, कुछ को देखते हुए, आप कह सकते हैं पिछले वर्ष मुझे निराशाजनक रूप से असफल फाउंटेन पेन के कारण उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा, उन्होंने यह बात कई बार संदर्भित करते हुए कही, जब पिछले वर्ष महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते समय उनके पेन में खराबी आ गई थी।

मेंशन हाउस में भाषण ब्रिटेन की राजधानी के वित्तीय केंद्र, लंदन शहर में एक नए राजा के प्रतीकात्मक आगमन का प्रतीक है। यह समारोह 14वीं शताब्दी का है, जिसमें मोती की तलवार सम्राट को भेंट की जाती है, जो बाद में इसे लंदन शहर के लॉर्ड मेयर को लौटा देता है। तलवार 2,600 मोतियों से ढकी एक म्यान में है और यह समारोह दो ऐतिहासिक शक्तियों ब्रिटिश राजशाही और लंदन शहर के बीच आपसी सम्मान का एक प्रतीकात्मक प्रदर्शन है।

ईरानी महिला महसा अमिनी को EU का बड़ा मानवाधिकार अवॉर्ड,पुलिस हिरासत में हुई थी मौत

तेहरान,19 अक्टूबर 2023। ईरान की युवा महिला महसा अमिनी को मरणोपरांत बड़ा अवॉर्ड मिला है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (श्र) ने कुर्दिश-ईरानी महिला महसा अमिनी को शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार दिया। महसा अमिनी की पिछले साल पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में रही थी इस युवा महिला की मौत

गौरतलब है कि महसा अमिनी की मौत केवल 22 साल की आयु में हुई थी। पुलिस हिरासत में मौत के कारण ईरान के सुरक्षाबलों को दुनियाभर के मानवाधिकार संगठनों ने कठघरे में खड़ा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार महसा अमिनी की मौत हिजाब विवाद के दौरान हुई थी। ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच महसा अमिनी की मौत ने संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया था।

पुलिस की हैवानियत, शरीर पर चोट के गंभीर निशान

तेहरान पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया, क्योंकि हिजाब सही तरीके से नहीं पहना गया। पुलिस पर बर्बरता के गंभीर आरोप लगे। खबरों के अनुसार महसा अमिनी की कई ऐसी तस्वीरें भी सामने आई जहां उनके शरीर पर चोट के निशान दिखे थे।

हिजाब को लेकर ईरान में व्यापक विरोध-प्रदर्शन

महसा अमिनी की मौत इसलिए भी सुर्खियों में रही क्योंकि इस युवा महिला की मौत के बाद हिजाब को लेकर हो रहा विरोध प्रदर्शन ईरान में और तेज हो गया था। ड्रेस कोड को लेकर हो रहे विरोध के बीच महिलाओं को बड़े पैमाने पर हिजाब जलाते देखा गया था। महिलाओं ने विरोध जताने का उग्र तरीका अपनाया और अपने बाल तक काट डाले।

ईरान में हिजाब और ड्रेस को लेकर सख्त कानून

गौरतलब है कि ईरान की बहुचर्चित इस्लामिक क्रांति के बाद महिलाओं को हिजाब पहनना जरूरी था। 43 साल पहले हुई इस क्रांति के बाद शरिया कानून के तहत हिजाब पहनना जरूरी है। 1979 के बाद हुई क्रांति के बाद हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को कड़ी सजा के प्रावधान बनाए गए। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की खबरों के अनुसार, इस्लामिक पीनल कोड की धारा 638 के तहत दंडित करने का नियम बनाया गया है। सार्वजनिक रूप से अगर कोई महिला या लड़की हिजाब पहने बिना या शरिया कानून के तहत तय किए गए ड्रेस कोड का उल्लंघन करते पाई गई तो कड़ी सजा मिलेगी।

हजारों महिलाओं में महसा अमिनी अलग क्यों ?

ईरान में लैंगिक भेद और महिलाओं पर लागू पाबंदियों के खिलाफ महिलाएं अब मुखरता से आवाज उठा रही हैं। ऐसा ही एक विरोध हिजाब के खिलाफ हुआ। अपनी आवाज बुलंद करने वाली हजारों महिलाओं में महसा अमिनी भी शामिल रहीं। कुर्दिस्तान के साकेज शहर की निवासी महसा की दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक मौत का अंदाजा इसी से होता है कि खबरों में दावा किया गया कि उसने ईरान के ड्रेस कोड का उल्लंघन नहीं किया। इसके बावजूद पुलिस ने महसा अमिनी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुने जाने की रिपोर्ट्स भी आईं। हालात खराब होने के बाद पुलिस ने आनन-फानन में महसा अमिनी को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भी पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर महसा को बचाने में सफल नहीं हो सके।

तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलटी, छह लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

लापाज़,19अक्टूबर 2023। पश्चिमी बोलीविया में एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और लगभग 20 लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा स्थानीय समय के अनुसार बीती रात करीब नौ बजे (अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार तड़के एक बजे) चरज़ानी के पास हुआ। जानकारी के अनुसार चरज़ानी के पास एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार करीब छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

एआई चैटबॉट बना स्कूल का टीचर,हेडमास्टर का दावा-हर तीसरा शिक्षक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ले रहा

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2023 । ब्रिटिश बोर्डिंग स्कूल कॉट्समोर ने अबिगैल बैली को अपनी नई प्रिंसिपल हेड-टीचर बनाया है। बैली की खास बात है कि वे मानव नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक आधारित चैटबॉट हैं।

इसी तरह जेमी रेनर को भी स्कूल ने नियुक्त किया है, वे एआई तकनीक के प्रमुख होंगे। जेमी खुद एक एआई आधारित चैटबॉट है। ब्रिटेन के स्कूलों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, हर तीसरा शिक्षक एआई की मदद से अपने कई काम कर रहा है।

हालांकि, यह पहली बार है कि सीधे चैटबॉट ही उन बड़े पदों पर तैनात हो रहे हैं, जहां पहले मनुष्य रखे जाते थे। बैली हेड टीचर के रूप में डीप-लर्निंग और जनरेटिव एआई तकनीकों का उपयोग करके विद्यार्थियों के लिए काम करेगी। उसका काम स्कूल में पढ़ाई से जुड़े कामों का प्रबंधन होगा, जिसके लिए उसे विशेषज्ञों जैसी जानकारियों के साथ प्रोग्राम किया गया है। वह खुद भी नई चीजें सीखते हुए अपने काम को सुधारती जाएगी।

हेडमास्टर ने कहा-मेरा दायां हाथ होगी बैली

कॉट्समोर के हेडमास्टर टॉम रोजरसन ने कहा कि स्कूल में बैली उनका दायां हाथ बन सकती है। शिक्षण नीतियां बनाने से लेकर विशेष जरूरत वाले बच्चों के काम करते वक्त वह मदद करेगी। उन्होंने कहा, यह सोच कर खुशी होती है कि उन्हें किसी काम के लिए अब दूसरों को कहना नहीं पड़ेगा, न उसके जवाब का इंतजार करना होगा।

जेमी को किया तैनात

स्कूल ने बताया कि एआई प्रमुख के रूप में जेमी को तब तैनात किया गया, जब यह काम करने लायक कोई मनुष्य उसे नहीं मिला। बड़ी संख्या में आवेदन आए थे, लेकिन उन्हें एआई में विशेषज्ञता के साथ तकनीकी सहयोग देने, बच्चों के लिए पाठ तैयार करने, सह-शैक्षिक गतिविधियां व आयोजन की योजना बनाने में मदद करने वाला चाहिए था।

विद्यार्थी को भी एआई वाले पर्सनल असिस्टेंट

स्कूल के विद्यार्थियों को भी एआई आधारित पर्सनल असिस्टेंट दिए गए हैं, जो उन्हें उनके अध्ययन के तरीके के अनुसार पढ़ने में मदद देते हैं। रोजरसन का दावा है कि तकनीक दुनिया बदल रही है, स्कूल भी भविष्य में कदम रख चुके हैं, हालांकि इस दौरान शिक्षा के पारंपरिक मूल्यों को भी बचाया जा रहा है।

शिक्षक दो कदम आगे

साल 2023 में यूके के हर तीन में एक शिक्षक ने अपने काम का बोझ कम करने के लिए एआई तकनीकों का उपयोग शुरू कर दिया है। कक्षा में पढ़ाने के लिए पाठ तैयार करने, रिपोर्ट लिखने, ईमेल का जवाब देने और विद्यार्थियों द्वारा अपने असाइनमेंट में चोरी से दूसरे के लेख मिलाने के मामले पकड़ने के लिए शिक्षक एआई तकनीक का खूब उपयोग कर रहे हैं। कई शिक्षाविद् इसे देख दावे तक कर रहे हैं कि साल 2027 तक अधिकतर स्कूलों में शिक्षकों की जरूरत नहीं रहेगी।

नवाज शरीफ का पाकिस्तान आने का रास्ता साफ, दो मामलों में हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी से दी राहत

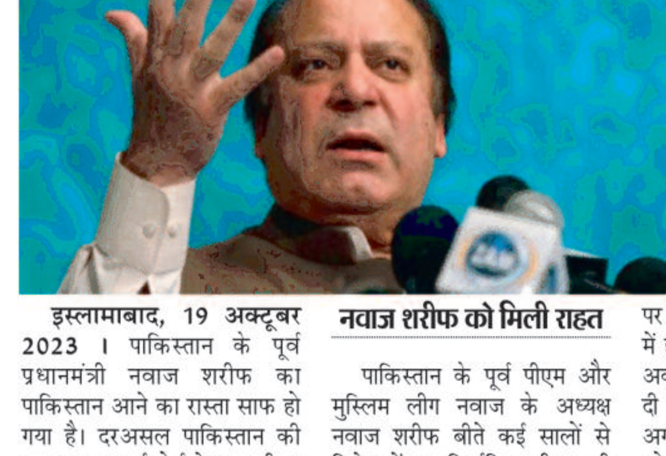

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर 2023 । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का पाकिस्तान आने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने एवनफील्ड और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ को जमानत दे दी है। हालांकि अभी यह राहत अल्पकालिक है और अदालत ने 24 अक्तूबर तक ही पूर्व पीएम को गिरफ्तारी से राहत दी है। साथ ही पाकिस्तान भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने भी नवाज शरीफ के खिलाफ तोशाखाना मामले में जारी वारंट को खारिज कर दिया है।

नवाज शरीफ को मिली राहत

पाकिस्तान के पूर्व पीएम और मुस्लिम लीग नवाज के अध्यक्ष नवाज शरीफ बीते कई सालों से ब्रिटेन में स्व-निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अब 21 अक्तूबर को वह पाकिस्तान लौटने वाले हैं और माना जा रहा है कि पाकिस्तान लौटकर वह आगामी आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व कर सकते हैं। हालांकि नवाज शरीफ एवनफील्ड मामले और अल-अजीजिया मामले में दोषी ठहराए गए थे और पाकिस्तान लौटने पर उनके गिरफ्तार होने की आशंका थी। अब हाईकोर्ट से सुरक्षात्मक जमानत मिलने के बाद नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने का रास्ता साफ हो गया है।

तोशाखाना मामले में भी वारंट खारिज

नवाज शरीफ ने एवनफील्ड और अल अजीजिया मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण करने से पहले सुरक्षात्मक जमानत देने की मांग की थी और याचिका में मांग की गई थी कि नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने पर उन्हें गिरफ्तार ना किया जाए। ऐसे में हाईकोर्ट ने नवाज शरीफ को 24 अक्तूबर तक सुरक्षात्मक जमानत दे दी लेकिन ये भी चेतावनी दी कि अगर नवाज शरीफ तय तारीख पर कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ फिर से गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा सकता है। नवाज शरीफ को साल 2020 में तोशाखाना के वाहन मामले में भी नियमों के उल्लंघन का आरोपी माना था। शरीफ पर आरोप है कि उन्होंने तोशाखाना से एक लग्जरी कार सिर्फ 15 फीसदी कीमत देकर ली थी। अब भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने इस मामले में शरीफ के खिलाफ वारंट खारिज कर दिया है।

CMYK

क्या बैकुंठपुर में चल रही है गलत कामों में बादशाहत साबित करने की लड़ाई कौन होगा गलत कामों का बेताज बादशाह...

क्या यह है लड़ाई की वजह ?

वर्चस्व व बादशाहत की लड़ाई में एक दूसरे की लंका लगाने में लगे हैं धुरंधर

बिल्डर की लंका लग चुकी अब डॉक्टर की लंका लगने वाली है...

वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक दूसरे की टांग खिंचाई जारी है...

बिल्डर के चाहने वाले कहते हैं कि उसके कॉलोनी से शहर की खूबसूरती बढ़ी है तो वही डॉक्टर को चाहने वाले कहते हैं कि वह भगवान तो नहीं पर भगवान से कम भी नहीं...

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

एक समय देश में अंडरवर्ल्ड डॉन या अपने-अपने क्षेत्र के लिए डॉन बनने की होड़ होती थी और अपने अपने क्षेत्र में अपना एक दहशत व वर्चस्व बनाया जाता था जिसे दहशत में तब्दील कर दिया जाता था, यह बातें तकरीबन कई दशक पुरानी है पर कुछ ऐसा ही इस समय बैकुंठपुर क्षेत्र में देखा जा रहा है, अपना प्रभाव बनाने के लिए गलत काम करने वाले एक दूसरे के दुश्मन है, कौन ज्यादा प्रभाव स्थापित कर सकता है और कौन अपना दहशत बना सकता है इसे लेकर जोर आजमाइश जारी है, पहले एक डॉक्टर साहब ने बिल्डर को नेस्तनाबूत करने के लिए अपने एक दामाद के पहचान वाले पुलिस अधीक्षक का भी सहयोग लिया, यह लड़ाई तकरीबन साल 2 साल चली और बिल्डर को जेल हुई, जेल से आने के बाद बिल्डर ने डॉक्टर साहब के खिलाफ लड़ाई शुरू की और उनकी कमियों व उनके मान-सम्मान के किले को ढहाना शुरू किया जो ढहता ही चला जा रहा है। इससे एक चीज तो अच्छी है की शहर में वर्चस्व को लेकर जो लड़ाई गलत कामों को लेकर शुरू हुई थी, वह अब धीरे से गलत काम खत्म करने में तब्दील हो गई है, जैसा की कहीं ना कहीं बिल्डर ने भी अपनी कमियों की वजह से व अपनी गलतियों की वजह से काफी मुसीबतें झेली और आज वह शायद सही पटरी में चलने का प्रयास कर रहा है और जो गलत पटरी में चल चुके हैं, अब वह प्रतिष्ठित डॉक्टर की पोल खोलने पर लगे हुए है उनके खिलाफ कार्रवाई हो इसके लिए उनका प्रयास जारी है, इस समय प्रतिष्ठित डॉक्टर की कमियां सामने आ रही है और कार्यवाहियां हो रही हैं यह आश्चर्य की बात ही है क्योंकि यह भी काफी बड़ा मामला साबित होता जा रहा है और डॉक्टर की एक एक करके कई ऐसी गलतियां मनमानियां सामने आ रही हैं जो साबित करती हैं की डॉक्टर ने अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए नियम कायदों को ठेंगा दिखाना ही उचित समझा और वह बिना परवाह बिना भय ऐसा करते रहे। कहा जाता है की जब गलत करने वाले दो व्यक्ति टकराते हैं तो शहर का भला होता है कुछ ऐसा ही इस समय देखने को मिल रहा है बिल्डर और डॉक्टर की आपसी तकरार में शहर का भला होता दिख रहा है, जहां बिल्डर के विरुद्ध कई कार्यवाहियां हुई जिसमे उसके कई ऐसे निर्माण ध्वस्त किए गए कई उसके अतिक्रमण हटाए गए जो उसके द्वारा गलत तरीके से किए गए थे और उससे किसी को नुकसान हुआ था, बिल्डर भले सभी मामलो मे न्यायालय की शरण में हो और उसका फैसला भी आना बाकी हो मामलो का लेकिन प्रथम रूप से जो कार्यवाहियां हुई उसके अनुसार शहर को फायदा हुआ जिसमे एक बड़ा फायदा उस भूमि मामले में हुआ जो कन्या महाविद्यालय के समाने की भूमि है, जहां अब शासकीय निर्माण हो पा रहा है जो शासकीय भूमि थी लेकिन बिल्डर ने उसे किसी तरह अपने नाम करा लिया था बाद में उसे शिकायतों के बाद वह जमीन छोड़ना पड़ा यह एक तरह से शहर के लिए फायदेमंद कहा जा सकता है, यह तो बिल्डर की तरफ से शहर को फायदे की बात हुई जबकि बिल्डर पर हुई कार्यवाहियों के बाद यह देखा गया की शहर को फायदा ही हुआ, अब बिल्डर के बाद शहर के नामी हॉस्पिटल सहित डॉक्टर पर कार्यवाही हो रही है कार्यवाही बिल्डर की शिकायत पर चल रही है क्यों की पहले बिल्डर के खिलाफ प्रशासन को डॉक्टर गोपनीय जानकारी दे रहे थे जैसा बताया जाता है, वहीं अब डॉक्टर की पोल पट्टी जो काफी अधिक है उसकी जानकारी बिल्डर प्रशासन को दे रहे हैं और डॉक्टर की तरफ प्रशासन की कार्यवाही लगातार जारी है, डॉक्टर पर जो कार्यवाही हुई और जो कुछ सामने आया उसे देखकर शहर वासी भी अचरज में हैं क्योंकि किसी को नहीं मालूम था की शहर का ख्याति प्राप्त निजी हॉस्पिटल बिना नियम कायदों के पालन किए संचालित था, यहां तक की हॉस्पिटल की भवन जिस जमीन पर बनी हुई है वह भी व्यपवर्तित नहीं है जो हॉस्पिटल मामले में होनी चाहिए थी और इसी आधार पर हॉस्पिटल को पंजीयन मिलना था,अब जब यह समाने आया है की हॉस्पिटल बिना पंजीयन संचालित था वहां जारी कई स्वास्थ्य सुविधाएं बिना अनुमति बिना विशेषज्ञ चिकित्सक या ऑपरेटर मिल रही थी और जिसके कारण वहां प्रशासन ने ताला जड़ दिया। कुछ ऐसे भी है जो बादशाह बनने के लिए जुआ सट्टा व दारू का अवैध कारोबार कर रहे हैं उनकी बादशाहत इसी से ही बनी हुई है।

जिला अस्पताल किसी काम का नहीं,डॉक्टर साहब का अस्पताल नहीं होता तो लोगों के लिए इलाज मुश्किल होता.

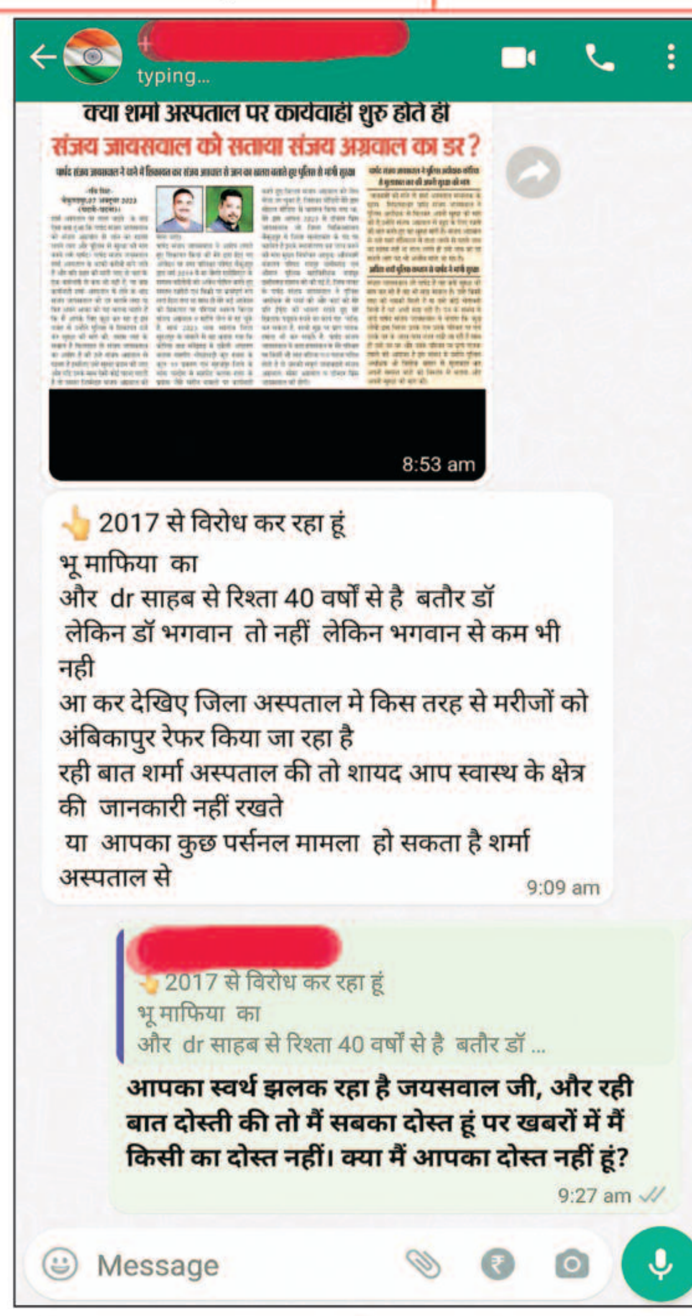

न्यायिक जांच में 302 के दोषी पाए जाने वाले डॉक्टर कुछ लोगों के लिए भगवान है क्योंकि वह उस डॉक्टर के वेतन भोगी कर्मचारी हैं ?

डॉक्टर साहब की पोल पट्टी जैसे जैसे खुलती जा रही है वैसे वैसे उनकी आज तक की असलियत लोगों के शहरवासियों के समाने आते जा रही है,वह कैसे शहर में जिला मुख्यालय में रहकर नियम कायदों को ठेंगा दिखा रहे थे यह लोग अब समझ पा रहे हैं जान पा रहे हैं जैसे जैसे उनको लेकर खुलासे हो रहे हैं, डॉक्टर की मुसीबत बढ़ती देख और उनकी असलियत सामने आने से कुछ लोग अब उन्हे भगवान बताने से भी नहीं परहेज कर रहे हैं, एक समर्थक डॉक्टर के तो उन्हे भगवान से कम नहीं मान रहे हैं यह समर्थक उनके वेतन भोगी कर्मचारी हैं जैसा बताया जाता है, डॉक्टर साहब वैसे तो एक मामले में न्यायिक जांच के बाद 302 के आरोपी पाए गए हैं, मामला भी ऐसा है की उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का ऐसी बीमारी कहें या महामारी का अपने हॉस्पिटल में रखकर इलाज किया जिसका न तो उन्हे तजुर्बा था और न ही उस इलाज के लिए उनका हॉस्पिटल अनुमति रखता था, उक्त व्यक्ति की मौत हॉस्पिटल की मनमानी की वजह से बिना तजुर्बा इलाज की वजह से हुई थी जो न्यायिक जांच में साबित हुआ फिर भी उनके वेतनभोगी समर्थक उन्हे भगवान की उपाधि दे रहें हैं। वैसे जिस व्यक्ति की मृत्यु डॉक्टर सहित अस्पताल की लापरवाही मनमानी की वजह से हुई उसे न्याय मिले और यह कैसे संभव हो यह खुद समर्थक नहीं कह रहे कहीं।

बिना अनुमति किसी मरीज का इलाज करने वाला डॉक्टर क्या सही में भगवान है

डॉक्टर ने अपने हॉस्पिटल में शहर निवासी सुनील तिवारी नामक व्यक्ति का इलाज शुरू किया इलाज भी ऐसी बीमारी का महामारी का जिसके इलाज के लिए उनका हॉस्पिटल अधिकृत ही नहीं था,एपेडिमिक एक्ट के तहत उक्त बीमारी के इलाज की सुविधा प्रदेश के गिने चुने निजी अस्पतालों में ही थी शेष शासकीय अस्पतालों में भी अलग से उस बीमारी के लिए व्यवस्था की गई थी और उसके लिए अलग भवन और व्यवस्था तय थी, बीमारी कोरोना थी जिसका इलाज डॉक्टर साहब ने अपने हॉस्पिटल में करने की कोशिश की, मरीज सुनील तिवारी को अन्य हॉस्पिटल में एडमिट मरीजों के साथ ही एडमिट किया जबकि उक्त बीमारी में नियमानुसार बीमार को बिल्कुल अलग रखा जाना था क्योंकि बीमारी संक्रमण फैलाने वाली थी इलाज के दौरान बीमार सुनील तिवारी की मौत भी हो गई और जिसको लेकर हुई जांच में डॉक्टर दोषी भी पाए गए, अब ऐसे डॉक्टर भगवान हैं तो फिर भगवान भी नहीं बचा पाएंगे मरीज को तय है।

डॉक्टर साहब को भगवान मानने वाले अंधभक्त को लगता है कि डॉक्टर साहब से जुड़े मामले की उसको नहीं है जानकारी ?

डॉक्टर साहब को उनका जो समर्थक भगवान से कम नहीं मानना चाहता वह लगता है डॉक्टर साहब की करतूतों से वाकिफ नहीं है,डॉक्टर साहब का अस्पताल जिसमे हाल में ही ताला लगाया है प्रशासन ने उसे भी वह नहीं देखना चाहता जानना चाहता वह केवल वही जानना देखना चाहता है जो उसे डॉक्टर साहब बताएं मात्र,बात बात में डॉक्टर को हां में जवाब देना ही उसकी नौकरी है इसलिए वह डॉक्टर साहब के मामले में इससे ज्यादा कुछ कहने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाता,डॉक्टर साहब तीन दशकों से ज्यादा समय से बिना अनुमति अस्पताल चला रहे हैं वह बिना डायवर्सन भूमि पर अस्पताल चला रहे हैं वह बिना अनुमति बिना विशेषज्ञ कई स्वास्थ्य सुविधा मरीजों को प्रदान कर रहे हैं उनकी जान से खिलवाड़ कर रहे थे यह समर्थक जान कर भी नहीं जानना चाहता,कुल मिलाकर जो डॉक्टर साहब कहें वही सही उसकी नौकरी है यही लगता है।

यदि डॉक्टर साहब भगवान हैं तो फिर सांसद बनने का वह सपना क्यों देख रहे ?

डॉक्टर साहब भगवान हैं तो वह लोकसभा सांसद क्यों बनना चाहते हैं यह भी सवाल है,वैसे उनका राजनीतिक कैरियर अब भाजपा पार्टी ही तय करेगी क्योंकि उन पर लगे गंभीर आरोपों के बाद भाजपा उन्हे प्राथमिक सदस्य भी रखती है यह बड़ा सवाल है,वैसे भगवान को लोकसभा क्यों जाना है यह सोचने वाली बात जरूर है क्योंकि भगवान तो सर्वव्याप्त हैं।

बच्चा चोरी व गर्भपात वाला डॉक्टर कैसे भगवान हो सकता है ?

हॉस्पिटल पर संचालक पर अनगिनत आरोप लग चुके हैं,बच्चा चोरी का आरोप गर्भपात नाबालिक का कराने का आरोप सहित मनमुताबिक इलाज का शुल्क लेने के कई आरोपों से डॉक्टर घिर चुके हैं पहले,आरोप लगे भले ही उनको लेकर बड़ी कार्यवाही डॉक्टर पर नहीं हुई लेकिन आरोप लगे जरूर और जब जब आरोप लगे डॉक्टर की फजीहत भी हुई, डॉक्टर के कई आरोपों पर डॉक्टर न्यायालय की शरण में भी हैं,ऐसे में आरोपों से घिरे डॉक्टर भगवान हो सकते हैं यह अतिश्योक्तिपूर्ण कथन माना जायेगा इससे ज्यादा कुछ नहीं।

क्या अवैध कारोबार में संलिप्त लोग ही श्रेष्ठ बनना चाहते हैं ?

श्रेष्ठ बनने के लिए क्या अवैध कार्य में संलिप्त रहना जरूरी है,क्या अवैध कार्य में लिप्त होना ही श्रेष्ठ बनने के लिए पहली काबिलियत मानी जाती है। यदि ऐसा है तो फिर साफ सुथरी छवि वाले कब श्रेष्ठ बन पायेंगे वह श्रेष्ठ बन पायेंगे भी की नहीं यह देखने वाली बात होगी।

17 नवम्बर को मतदान तथा 3 दिसम्बर को मतगणना

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आम निर्वाचन की घोषणा हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सूरजपुर के लिए तीनों विधानसभा 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव व 06 प्रतापपुर के लिए आम निर्वाचन की घोषणा कर दी गई है।

विधानसभा आम निर्वाचन 2023 कार्यक्रम के अनुसार सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभा में 17 नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए विधानसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 21 अक्टूबर को अधिसूचना का प्रकाशन किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है। इसी तरह नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रूटनी की तिथि 31 अक्टूबर तथा अभ्यर्थियों की नाम वापसी की अंतिम तिथि 02 नवंबर तथा मतदान की तिथि 17 नवंबर को निर्धारित की गई है। इसी तरह मतगणना की तिथि 03 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थी द्वारा किए जाने वाले निर्वाचन व्यय की सीमा 40 लाख रुपए होगी। निर्वाचन हेतु अभ्यर्थी को एक पृथक बैंक अकाउंट नामांकन दाखिल करने के कम से कम 1 दिन पूर्व खोलना होगा एवं नामांकन पत्र दाखिल करते समय अभ्यर्थी को इस पृथक बैंक अकाउंट का उल्लेख करना होगा। निर्वाचन लड़ने वाले सामान्य अभ्यर्थियों के लिए जमा की जाने वाली निक्षेप राशि 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 5 हजार रुपए निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय अभ्यर्थी के साथ केवल चार व्यक्ति रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। निर्वाचन की घोषणा के दिन से परिणाम की घोषणा तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रचार-प्रसार बंद रहेगा। मतदान समाप्ति के समय से 48 घण्टे पूर्व अभ्यर्थी तथा विधानसभा क्षेत्र के रजिस्टर्ड मतदाता को छोड़कर अन्य व्यक्तियों को विधानसभा क्षेत्र छोड़कर जाना होगा।

राजनीतिक विज्ञापन के पोस्ट व प्रसारण के पूर्व लेनी होगी अनुमति

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

राज्य एवं जिला स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन करेगी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी माध्यम जैसे टीवी चैनल, केबल टीवी चैनल, रेडियो (निजी एफएम रेडियो सहित), ई-समाचार पत्र, बल्क एसएमएस, सार्वजनिक स्थलों पर दृश्य-श्रव्य माध्यम, सोशल मीडिया, वेब पेज पर राजनीतिक विज्ञापन प्रसारण से पूर्व एमसीएमसी कमेटी से राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी अनुमति लेंगे। निर्वाचन संबंधी किसी विज्ञापन, पोस्टर, पर्चे या किसी अन्य अभिलेख पर उसके प्रकाशक एवं प्रिंटर का नाम, पता एवं मुद्रित संख्या छपा होना आवश्यक है।

बच्चों ने माता-पिता से लिया वचन पत्र,कहा-वोट डालने जरूर जाना

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

17 नवंबर को संपन्न होने जा रहे विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से स्वीप प्लान के तहत कई कार्यक्रम किए जा रहे हैं और वोटर्स को जागरूक कर मतदान करने कहा जा रहा है। जिले के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी ललित राम पटेल के निर्देशन तथा बीईओ पंडित भारद्वाज एवं एबीईईओ मनोज साहू के मार्गदर्शन में स्वीप प्लान के तहत शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली के समस्त बच्चों कक्षा 6वीं से कक्षा 8वीं तक के लगभग 250 माता-पिता, परिवार-रिश्तेदार के बुजुर्ग व अन्य मतदाता सदस्यों को वचन पत्र लिखकर अनिवार्य रूप से मतदान करने अनुरोध किया गया। पत्र के माध्यम से वचन लिया कि मै विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 प्रेमनगर में 17 नवंबर को विधानसभा निर्वाचन के लिए स्वयं उपस्थित होकर मतदान अवश्य करूँगा।

शिक्षक ने छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्व को समझाया गया। बच्चों ने अपने माता-पिता व परिजनों से वचन पत्र लिखवाया। शिक्षक योगेश कुमार साहू ने बताया कि पत्रों को छात्र-छात्राएं अपने साथ घर पर लेकर गए है। इन पत्रों पर अपने पालकों से सहमति स्वरूप हस्ताक्षर कराकर 19 अक्टूबर को विद्यालय में वापस लौटाए। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन 17 नवंबर को छात्र-छात्राएं अपने पालकों को मतदान के लिए मतदान केंद्र तक लेकर आएंगे। कार्यक्रम में प्रधान पाठक बी.आर. हितकर, महेन्द्र पटेल, अनिता सिंह, योगेश साहू, कृष्ण कुमार यादव, रघुराज जायसवाल, सरिता सिंह एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

कांग्रेस के सर्वे रिपोर्ट में वर्तमान विधायक का नाम नहीं सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वेदांती तिवारी सबसे ऊपर:सूत्र

वर्तमान विधायक का सर्वे रिपोर्ट में नाम न होने की वजह से बैकुंठपुर विधानसभा का प्रत्याशी नहीं हो पाया तय:सूत्र

वर्तमान विधायक को ही प्रत्याशी बनाया जाए इसे लेकर दो मंत्रियों की पैरवी जारी,पैरवी से मिलेगा टिकट या फिर सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रत्याशी होंगे तय?

अंबिका,वेदांती के बाद आशा साहू के नाम की चर्चा,किसे मिलेगा कांग्रेस से टिकट संशय बरकरार

भईयालाल के मुकाबले मजबूत प्रत्याशी की है पार्टी को तलाश

सामाजिक समीकरण में आशा साहू भारी,लेकिन सर्वमान्य होंगी...जबकि पार्टी के अंदर ही है...मतभेद

कांग्रेस के सर्वे रिपोर्ट में वर्तमान विधायक का नाम नहीं सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वेदांती तिवारी सबसे ऊपर:सूत्र

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश का तीसरा विधानसभा बैकुंठपुर विधानसभा इस समय कांग्रेस के प्रत्याशियों को लेकर संशय से घिरा हुआ है, यह संशय खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है समय जैसे-जैसे चुनाव का नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे संशय बढ़ता जा रहा है, आखिर यह संशय कब खत्म होगा इसका भी इंतजार है, अब माना जा रहा है कि प्रदेश का तीसरे नंबर के विधानसभा में कांग्रेस के लिए प्रत्याशी चुनना काफी कठिन हो गया है, कठिन होने की वजह सिर्फ यह है कि सर्वे रिपोर्ट से अलग सोच रहे हैं वर्तमान विधायक को टिकट दिलाने वाले मंत्री, यही वजह है की टिकट में पेच फसते देखा जा रहा है, सूत्रों के हवाले से यह जानकारी आ रही है कि 18 अक्टूबर को कांग्रेस की दूसरी सूची जारी हुई इस सूची में बैकुंठपुर विधानसभा का भी प्रत्याशी तय होना था, जिले से लेकर प्रदेश तक वर्तमान विधायक के नाम के साथ वेदांती तिवारी व अशोक जायसवाल का नाम भेजा गया था पर जब पार्टी के द्वारा कराए गए सर्वे की सूची देखी गई तो उसमें वर्तमान विधायक का नाम ही नहीं था, बताया जा रहा है कि उस सूची में वेदांती तिवारी योगेश शुक्ला व अशोक जायसवाल का नाम शामिल था, सर्वे सूची में वर्तमान विधायक नाम न होने की वजह से टिकट तय होते-होते रह गई। जिला से लेकर प्रदेश तक लोग चाह रहे हैं कि वर्तमान विधायक को ही टिकट मिले पर वही सर्वे रिपोर्ट बता रही की जीतने के लिए वेदांती तिवारी ही कांग्रेस के लिए सही उम्मीदवार हो सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस यह तय नहीं कर पा रही की सर्वे के आधार पर टिकट दें या फिर जो प्रदेश से व जिले से नाम आया है उसी को मानते हुए वर्तमान विधायक को ही दोबारा मौका दिया जाए। इधर जहां वर्तमान विधायक व पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी के बीच टिकट का संशय बरकरार था कि तीसरा नाम साहू समाज से अचानक चर्चा का विषय बन गया है, कहा जा रहा है कि कांग्रेस साहू समाज से नई-नई हाल ही में कांग्रेस में सक्रिय हुई महिला नेत्री आशा साहू को पहली ही बार में ही मौका दे दे पर मौका देने से वरिष्ठ कांग्रेसियों की नाराजगी भी सामने आ सकती है यह भी डर है, अब ऐसे में पेच इस तरह फंसा हुआ है की सीट पर प्रत्याशी तय करने के लिए और जोर आजमाइश चलेगी। वैसे यदि क्षेत्र की जनता की माने और पार्टी के ही पदाधिकारी सहित कार्यकर्ताओं की माने तो साहू समाज निश्चित रूप से विधानसभा में अच्छा जनाधार रखता है लेकिन कांग्रेस से जिस महिला नेत्री के टिकट की चर्चा चल रही है वह कांग्रेस के लिए सर्व समाज को साधने में कामयाब होंगी कार्यकर्ताओं को साधने में कामयाब होंगी इसका कम ही आसार है।

कांग्रेस अभी तक सामान्य वर्ग उम्मीदवारों पर ही बैकुंठपुर विधानसभा में भरोसा करते आई है

बैकुंठपुर विधानसभा अनारक्षित श्रेणी में आने वाली विधानसभा है वहीं भाजपा ने इस सीट पर लगभग यह तय कर दिया है की वह हमेशा इस सीट से अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से ही उम्मीदवार घोषित करेगी और वह अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के मतदाताओं को साधेगी, वहीं अब तक कांग्रेस इस सीट से सामान्य वर्ग उम्मीदवार को ही मौका देती आई है और यदि इस बार कांग्रेस अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से प्रत्याशी घोषित कर देती है तो यह तय हो जायेगा की अब इस विधानसभा सीट से सामान्य वर्ग की दावेदारी दोनो ही प्रमुख राष्ट्रीय दलों से समाप्त हो जायेगी। वैसे इसकी संभावना कम है फिर भी हालिया घटनाक्रम इस ओर इशारा जरूर करते हैं। वैसे भी अनारक्षित कई विधानसभाओं से सरगुजा संभाग में दोनो ही दलों ने आरक्षित वर्ग प्रत्याशी मैदान में उतारा है और धीरे धीरे सभी दल अब बड़े जनसंख्या वाले समाज से किसी विधानसभा में किसी प्रत्याशी को टिकट देना चाह रहे हैं जो दिखने भी लगा है।

आखिर कांग्रेस कब खत्म करेगी बैकुंठपुर सीट के टिकट का संशय?

बैकुंठपुर विधानसभा में आज की स्थिति यह है की भाजपा प्रत्याशी जहां कई चरण का चुनाव प्रचार अपना संपन्न कर चुके हैं वहीं कांग्रेस पार्टी अब तक अपना प्रत्याशी इस सीट से घोषित नहीं कर पाई है। कांग्रेस में यदि सर्वे के आधार पर टिकट देने की बात समाने आ रही है तो बताया जा रहा है की उसका अपना ही सर्वे वेदांती तिवारी को आगे बता रहा है वहीं यदि पहुंच पकड़ और शोर सिफारिश की बात की जाए तो उसमे वर्तमान विधायक आगे हैं जबकि उनका जनाधार काफी कमजोर हुआ है यह भी सर्व रिपोर्ट का ही हिस्सा है वहीं यदि जाति समाज के मतदाताओं के हिसाब से टिकट तय हुआ तो यह सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के खाते में जाएगी यह भी संभावना बनी हुई है। संभावना भले ही कई हों लेकिन टिकट वितरण में विलंब से इस सीट को लेकर संशय पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं में भी बना हुआ है वहीं क्षेत्र के लोगों में भी इसको लेकर चिंतन देखा जा रहा है क्योंकि बैकुंठपुर विधानसभा का यह चुनाव पार्टी चिन्ह का न होकर चेहरे पर होना है यह लोग भी मान रहे हैं वहीं यही भाजपा कांग्रेस के कार्यकर्ता नेता भी मान रहे हैं। कांग्रेस कब संशय समाप्त करेगी इस सीट का इसका सभी को इंतजार है।

क्या कांग्रेस की तरफ से बैकुंठपुर सीट सामान्य वर्ग से छीन ली जाएगी?

बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा ने सामान्य वर्ग को पांचवीं बार मौका नहीं दिया है अनारक्षित सीट से अन्य पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार ही भाजपा की पसंद हो चुकी है वहीं वह यह लगभग तय कर चुकी है की संख्या जिस जाति समाज की ज्यादा होगी उसी को वह टिकट देगी पार्टी में योग्यता सहित वरिष्ठता का कोई मोल नहीं, वहीं पार्टी के लिए किया गया परिश्रम भी बेमोल है। वहीं अब जैसा लग रहा है कांग्रेस भी इस सीट से अन्य पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार पर दांव लगा सकती है तो यह भी प्रश्न उठ रहा है की क्या कांग्रेस भी भाजपा की ही राह पर है क्या वह भी इस सीट से सामान्य वर्ग किसी दावेदार को स्वीकार नहीं करेगी। वैसे यदि ऐसा है तो यह सामान्य वर्ग के पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं के लिए बुरी खबर है क्योंकि उन्हे झंडा ही उठाना शेष काम पार्टी हित में बच जायेगा शेष उन्हे कभी आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलने वाला भले ही उनका समर्पण उनका त्याग पार्टी के लिए ज्यादा हो,वह संख्या आधार पर अयोग्य माने जायेंगे जो सामान्य वर्ग किसी नेता के लिए अच्छी खबर नहीं मानी जायेगी।

साहू समाज से संभावित नाम जो टिकट की दौड़ में शामिल माना जा रहा है उसको लेकर पार्टी में ही नहीं बन पाएगी स्वीकार्यता इस बात की भी हुई चर्चा :सूत्र

बैकुंठपुर विधानसभा सीट को लेकर कांग्रेस पार्टी का मंथन जारी है वहीं पार्टी यहां से काफ़ी सोच विचार करके टिकट देगी यह भी तय माना जा रहा है। बताया जा रहा है बैकुंठपुर की टिकट को लेकर कई तरह का पेंच फंस गया है,यहां अब तक का सर्वे प्रथम प्रत्याशी वेदांती तिवारी को मानता है दूसरा नाम अशोक जायसवाल का यह भी बात सामने आ रही है योगेश शुक्ला भी अभी दौड़ में हैं वर्तमान विधायक सर्वे में पीछे हैं तो उनके साथ उनका तगड़ा जुगाड काम कर रहा है वहीं अब साहू समाज से भी एक दावेदार का नाम सामने आ रहा है जिसकी भी चर्चा अब होने लगी है। वैसे साहू समाज से आने वाली महिला दावेदार की दावेदारी पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेंगे कुछ गिने चुने कार्यकर्ताओं को छोड़कर यह भी माना जा रहा है और पार्टी यह बात अच्छी तरह समझ भी रही है वहीं साहू समाज से जिसका नाम सामने आ रहा है उसको प्रत्याशी बनाए जाने की स्थिति में साहू समाज का समर्थन मिल सकता है यह पार्टी मान भी रही है तो यह दिक्कत भी है की फिर सर्व स्वीकार्यता आड़े आयेगी क्योंकि हाल के ही वर्षो से राजनीति में शामिल हुई महिला दावेदार एक समाज के मतों तक ही सिमट जाएगी ऐसी संभावना ज्यादा है। वहीं मंचों पर भी उनका वक्तव्य जनाधार अपनी तरफ आकर्षित करने वाला साबित होगा यह भी संभव नजर नहीं आ रहा ऐसा पार्टी के अंदरखाने की चर्चा है। अब देखना है पार्टी निर्णय क्या लेती है जबकि अभी प्रत्याशी तय नहीं हुआ है और संभावना सभी के लिए बनी हुई है।

दावेदार अशोक जायसवाल का नाम सभी सर्वे सूचियों में शामिल, पार्टी सर्वे अनुसार अभी वह भी दौड़ से बाहर नहीं-सूत्र

सूत्रों की मानें तो बैकुंठपुर विधानसभा से प्रत्याशी चयन के लिए जो सर्वे पार्टी ने कराया है उसमे सभी सर्वे सूचियों में अशोक जायसवाल का नाम शामिल है वहीं वेदांती तिवारी के बाद उन्ही को प्रबल माना गया है सर्वे में ,माना जा रहा है अशोक जायसवाल भी पिछड़ा वर्ग समाज से आने वाले चेहरा हैं और उनको लेकर भी पार्टी विचार कर रही है।

बिना मापदंडो का पालन किए बना लाखों का सीसी सड़क

जिला खनिज न्यास संस्थान मद से स्वीकृति हुई थी सीसी सड़क

बिना ब्रांडेड कंपनी के सीमेंट का उपयोग कर किया गया निर्माण कार्य

क्या अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग कोई कार्यवाही करेंगे ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां क्षेत्र तोलगा मे सी सी सडक निर्माण हेतु जिला खनिज न्यास संस्थान मद से सात लाख बीस हजार रुपए की राशि झारपारा मेन रोड से संरपच घर तक में स्वीकृति की गई है। सी सी सडक निर्माण लगभग पूर्ण हो गई है।

सी सी सडक निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने बताया कि इस सी सी सडक निर्माण कार्य में इंजिनियर एवं अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा एक दिन भी निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं किया गया है इस निर्माण कार्य को सिर्फ एक मिस्त्री के द्वारा सी सी सडक सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण कर दिया गया है। इस सी सी सडक निर्माण कार्य में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि इसकी निचली सतह पर प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया है और सी सी सडक निर्माण कार्य के जोड़ों में बोरी लगाई गई है। इस सी सी सडक निर्माण कार्य को ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के मापदंड एवं गुणवत्ता के तहत सी सी सडक का निर्माण कार्य नहीं किया गया है इस सी सी सडक निर्माण कार्य में बाईब्रेटर भी चलता कही दिखाई नहीं दे रहा है। सी सी सडक निर्माण की चौड़ाई लंबाई मोटाई भी मापदंड के अनुरूप नहीं किया

गया है। लाखों रुपए खर्च कर सी सी सडक निर्माण कार्य पूर्ण रूप से घटिया गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य को किया गया है। इस सी सी सडक निर्माण कार्य में अधिराज सीमेंट का इस्तेमाल कर निर्माण कार्य किया गया है जबकि सी सी सडक निर्माण कार्य में ब्रांडेड कंपनी के ग्रेड सीमेंट से सी सी सडक निर्माण कार्य किया जाना था। मगर ग्राम पंचायत तोलगा निर्माण एजेंसी के द्वारा बिना इंजिनियर और अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के देखरेख के अधिराज सीमेंट से इस पूरी सी सी सडक का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया है।

सीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर लग रहा प्रश्न चिन्ह

इस पूरे खेल में जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का भी सहयोग रहता है। जनपद पंचायत के मुखिया भी नहीं जाते ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यो के निरीक्षण में सारा का सारा निरीक्षण कार्यालय में बैठकर हो जाता है? सूत्रों की माने तो आर सी सी रिटर्निंग वाल एवं आर सी सी सड़क निर्माण सी सी निर्माण से संबंधित कार्यो की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है? इस संबंध में जब ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी के के चौधरी से फोन के माध्यम से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा इसकी जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

सांठ-गांठ कर हुआ कार्य

क्या ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी इस घटिया अधीराज सीमेंट (श्री प्लस) बिना ग्रेड के मिनी प्लांट के सीमेंट से पूर्ण हुए सी सी सडक निर्माण कार्य को उखाड़ कर ब्रांडेड कंपनी के सीमेंट से पुनः सी सी सडक का निर्माण कार्य कराएंगे या सांठगांठ कर इस सी सी सडक को गुणवत्ता युक्त एवं ब्रांडेड कंपनी के सीमेंट का टेस्ट रिपोर्ट देकर गुणवत्ता पूर्ण होने का प्रमाण पत्र जारी कर देंगे क्योंकि सब कुछ तो इंजिनियर और अनुविभागीय अधिकारी के हाथ में है?

हिस्सेदारी का चल रहा खेल

इस ग्राम पंचायतो में निर्माण कार्यो में भ्रष्टाचार तो धड़ल्ले से किया गया है और हो रहे निर्माण कार्यो में किया जा रहा है ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधिकारी निर्माण कार्य को देखने कभी नहीं निर्माण स्थल पर जाते हैं जिससे ग्राम पंचायतों में चल रहे आरसीसी के निर्माण कार्य में मनमाने तरीके से गुणवत्ता विहीन एवं बिना मापदंड के आरसीसी निर्माण कार्य पूर्ण किए जा रहे हैं। आर सी सी निर्माण कार्य के पश्चात पानी की तराई किया जाता हैं।जबकि आर सी सी के निर्माण कार्य में पानी का विशेष महत्व रहता है जो ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्य में नहीं किया जाता है जिसका जीता जागता प्रमाण सी सी सडक है। घटिया सामग्री का उपयोग कर कार्य को आनन-फानन में गुणवत्ता विहीन कर सी सी सडक निर्माण को निपटा दिया गया और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों ने भी आनन फानन में इसका मूल्यांकन आदि भी तत्काल कर अपनी हिस्सेदारी का खेल पूरा कर लिया जाता है?

'इच्छाशक्ति यदि मजबूत हो तो उम्र डाल नहीं सकता बाधा' से प्रभावित होकर सैकड़ों युवाओं ने किया भाजपा प्रवेश

अस्सी उम्र के युवा ननकीराम कंवर के कार्यों से प्रभावित होकर सैकड़ों युवाओं ने किया भाजपा प्रवेश

-संवाददाता-
कोरबा,19 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

जिले के रामपुर विधायक पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को भाजपा प्रत्याशी रामपुर विधानसभा मनोनीत होते ही ननकीराम कंवर ने क्षेत्र का जनसंपर्क करना प्रारंभ कर दिया है । इस दौरान उनके इच्छा सकती एवं जूनूनी अंदाज को देख लोग काफी प्रभावित हो रहे है। जिसमें प्रारंभिक दौर में ही उरगा सिलियरीभाटा से सैकड़ो युवा कार्यकर्ताओं ने ननकीराम कंवर के ईमानदार स्वभाव व सक्रियता को देख कांग्रेस की भूपेश सरकार के द्वारा पीएससी घोटाला कर युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने का जो कार्य किया है और कमीशन खोरी भ्रष्टाचार का खेल जो प्रदेश में चल रहा है उसे क्षुब्ध होकर भाजपा में प्रवेश

किए हैं । प्रवेश करने वालो में प्रमुख रूप से राम चन्द्र टण्डन, महेंद्र टण्डन,आकाश पटेल,दयगेस पटेल ,नरेश पटेल,मनीराम,राजू टण्डन, जितेश पटेल,सुन्दराम भारद्वाज, राजेश टण्डन,मुकेश पटेल , राकेश पटेल,गोपाल राजपुत,आरती टण्डन, रजनी टण्डन,अनिता टण्डन, सुनीता टण्डन, शाहिद सैकड़ो युवा व महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा है । भाजपा उरगा मंडल के अध्यक्ष कुल सिंह कंवर ने लोगों से अपील किया कि ननकीराम कंवर का कंधे से कंधा मिलाकर हमें साथ देना है और भाजपा की सरकार हमें बनाना है साथ ही ननकीराम कंवर को ऐतिहासिक मतों से रामपुर विधानसभा से चुनाव जीताना है??। लोगों ने भी कहा कि भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार से पुरे पंचायत के लोग परेशान हैं बिना कमीशन लिए अधिकारी कोई कार्य स्वीकृत नहीं करते हर विभाग में घोटाले पर घोटाला किया जा रहा है। वसूली का खेल जोरों से चल रहा है। जिसे अब बदलने की बारी आ गई है। ननकीराम कंवर ने पहंदा, अखरापाली, उरगा सिलिहारिभाटा सहित अन्य पंचायतों मे जनसंपर्क किया ,जहां उन्हें लगातार जनता का आशीर्वाद मिल रहा है।

रिटर्निंग अधिकारी को एक प्रत्याशी के रूप में आवेदन देकर कलेक्टर ने परखी तैयारी

-संवाददाता-
कोरबा,19 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्धारित नाम-निर्देशन हेतु निर्धारित कक्ष रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी को प्रत्याशी के रूप में आवेदन देकर और कार्य में लगे सहायक अधिकारियों-कर्मचारियों से सवाल कर निर्वाचन की तैयारियों को परखा। इस दौरान उन्होंने नाम-निर्देशन कक्ष में आवेदन जमा करने के दौरान प्रत्याशियों और आर.ओ. के बीच सुविधाजनक दूरी निर्धारित करने, सहयोगी कर्मचारियों द्वारा निर्धारित रजिस्टर का संधारण करने तथा प्रस्तावकों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कोरबा जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्र रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार में निर्वाचन हेतु नाम-निर्देशन की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। कलेक्ट्रेट में सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामांकन के लिए अलग-अलग कक्ष निर्धारित किए गए हैं। रामपुर, कोरबा और पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र का नामांकन कलेक्ट्रेट के भू-तल में और कटघोरा विधानसभा क्षेत्र का नामांकन कलेक्ट्रेट के प्रथम तल में निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने नाम-निर्देशन कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा सहयोग हेतु अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था एवं उनके कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने नामांकन के लिए आने वाले प्रत्याशियों और प्रस्तावकों को दी जाने वाली जानकारी तथा उनसे आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को स्वयं जांच कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने चारों विधानसभा क्षेत्र के व्यय अवलोकन टीम के कक्ष का भी अवलोकन किया और प्रत्याशियों द्वारा व्यय संबंधी जानकारी को रजिस्टर में संधारण करने संबंधी जानकारी ली।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार
रा.प्र.क्र. .../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाष गुप्ता आ0 राम कुमार केशरवानी जाति केशरवानी नवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 4996, रकबा 0.227हे0 में से 0.044 हे0 भूमि को कृषि,भिन्न,व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति अदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/11/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपतित पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार
रा.प्र.क्र. .../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाष गुप्ता आ0 राम कुमार केशरवानी जाति केशरवानी निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 4995, रकबा 0.239 हे0 में से 0.044 हे0 भूमि को कृषि,भिन्न,व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति अदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/11/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपतित पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

विश्व कप अभियान को ढर्रे पर लाने के लिये
आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान को हासिल करनी होगी लय

बेंगलुरू,19 अक्टूबर 2023। परिपक्वता की पर्याय आस्ट्रेलिया और आक्रामकता की मिसाल पाकिस्तान की टीमें विश्व कप के मुकाबले में शुक्रवार को जब आमने सामने होंगी तो उन्हें खेल के हर विभाग में सुधार करके अपने रसूख के मुताबिक प्रदर्शन करना होगा ।

पाकिस्तान को दबाव में बेखौफ क्रिकेट खेलने के लिये जाना जाता है लेकिन इस बार भारत के खिलाफ महा मुकाबले में 1992 चैम्पियन टीम दबाव नहीं झेल सकी । भारत ने बिल्कुल एकतरफा अंदाज में सात विकेट से जीत दर्ज की ।

श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में प्रदर्शन भले ही अच्छा रहा हो लेकिन श्रीलंका का आक्रमण भी आला दर्जे का नहीं था । अब सामना आस्ट्रेलिया से है और पांच बार की चैम्पियन टीम अपनी ही समस्याओं से जूझ रही है । आस्ट्रेलिया की चुनौती इस समय भारत की तरह दुश्वार भले ही नहीं हो लेकिन उसे हराना आसान नहीं होगा ।

वनडे क्रिकेट में आस्ट्रेलिया का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड 69 · 34 का है और 50 ओवरों के विश्व कप में आस्ट्रेलिया ने छह मैच जीते जबकि चार हारे हें ।

पाकिस्तान के लिये सलामी बल्लेबाज इमामुल हक ने तीन मैचों में सिर्फ 63 रन बनाये हैं । उन्हें अब्दुल्ला शफीक का बखूबी साथ निभाना होगा जिन्होंने खराब फॉर्म से जूझ रहे फखर जमां की जगह ली है ।

कप्तान बाबर आजम भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं । पाकिस्तानी बल्लेबाजी की धुरी बाबर ने भारत के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहे । इन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ जिम्मेदारी से खेलना होगा क्योंकि उसके पास ऐसा गेंदबाजी आक्रमण है जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम की बखिया उधेड़ सकता है ।

उन्हें मध्यक्रम में मोहम्मद रिजवान पर अत्यधिक निर्भरता से भी बचना होगा। नीदरलैंड के खिलाफ अर्धशतक बनाने वाले सऊद शकील और आक्रामक इफ्तिखार अहमद को भी लगातार अच्छा खेलना होगा ।नसीम शाह की गैर मौजूदगी में पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी शाहीन शाह अफरीदी पर निर्भर है लेकिन वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है । उन्हें अपनी रफ्तार और स्विंग हासिल करनी होगी । लेग स्पिनर शादाब खान बल्ले और गेंद दोनों से नाकाम रहे हें जिनकी जगह उसामा मीर को उतारा जा सकता है ।

दूसरी ओर भारत और दक्षिण अफ्रीका से मिली हार ने आस्ट्रेलिया को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जिसके वह आदी नहीं है । एक और हार सेमीफाइनल की उनकी राह मुश्किल कर सकती है ।

जोश इंग्लिस को छोड़कर आस्ट्रेलिया का कोई बल्लेबाज अभी तक अर्धशतक नहीं बना सका है । मार्नस लाबुशेन अकेले बल्लेबाज हैं जो कुल 100 रन से अधिक बना सके हैं । मिचेल स्टार्क (55) ने ग्लेन मैक्सवेल (49) से अधिक रन बनाये हैं । तीन मैचों में स्टीव स्मिथ 65, डेविड वॉर्नर 65 और मिशेल मार्श 59 रन ही बना सके हैं ।

गेंदबाजों में स्टार्क, एडम जाम्पा और जोश हेजलवुड प्रभावी रहे हैं लेकिन कप्तान पैट कमिंस कमजोर कड़ी साबित हुए हैं ।

चोट के कारण कार्लोस अल्काराज स्विस इंडोर्स से बाहर

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2023। कार्लोस अल्काराज ने बाएं पैर की चोट और पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों में परेशानियों के कारण स्विस इंडोर्स बासेल से नाम वापस ले लिया है। इसकी पुष्टि उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर की।

अल्काराज ने एक साल पहले बासेल में डेब्यू किया था, जहां उन्होंने सेमीफाइनल में अंतिम चैंपियन फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से हारने से पहले तीन जीत हासिल की थी।

इस सीजन में अल्काराज का रिकॉर्ड 63-9 है, जिसमें छह खिताब शामिल हैं। जिनमें से दो एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट (इंडियन वेल्स और मैड्रिड) में और एक विंबलडन में आया है।

20 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी बार शंघाई में प्रतिस्पर्धा की थी, जहां वह 16वें राउंड में ग्रिगोर दिमित्रोव से हार गए थे।

स्पैनियार्ड सर्बियाई महान नोवाक जोकोविच के साथ एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 की लड़ाई में उलझा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अल्काराज ने बासेल और उसके साथ आने वाले 500 अंक जीते होते, तो वह एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जोकोविच के साथ बराबरी से पेरिस मास्टर्स में प्रवेश कर लेते।

इसके बजाय, जोकोविच साल के अंत में नंबर 1 की लड़ाई में बढ़त बनाए रखेंगे, यह सम्मान सर्बियाई खिलाड़ी ने रिकॉर्ड सात बार अर्जित किया है। पिछले साल, अल्काराज एटीपी रैंकिंग के इतिहास में सबसे कम उम्र के नंबर-1 खिलाड़ी बने थे।

शमी और अश्विन के सेलेक्शन पर पूर्व चीफ सेलेक्टर का बयान

दोनों खिलाड़ियों से पूछें प्रतिष्ठा जरूरी या वर्ल्ड कप जीतना ?

बेंगलुरू,19 अक्टूबर 2023। मौजूदा समय में वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। फिलहाल अभी तक भारत ने तीन मुकाबले खेले हैं जिसमें उसे बेहतरीन जीत हासिल हुई है। इस मुकाबले को टीम इंडिया जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाने के करीब पहुंच जाएगी। वहीं आर अश्विन और मोहम्मद शमी को अभी तक टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है। जिसे लेकर पूर्व चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद ने बयान दिया है, जो रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के आलोचकों को पसंद नहीं आएगा।

दरअसल, हिन्दुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में एमएसके ने कहा कि, अश्विन और शमी दोनों इस सिलेक्शन से नाखुश भी नहीं होंगे।

अगर आप अश्विन से पूछेंगे तो वह भी टीम प्रबंधन के फैसले से सहमत होंगे। हमें वर्ल्ड कप जीतना है न कि किसी खिलाड़ी का कद के लेवल पर सिलेक्शन करना है। अगर हम प्रतिष्ठा पर जाएं तो सिराज को नहीं खेलना चाहिए, शमी को खेलना चाहिए। ये टीम बहुत अच्छी है।

उन्होंने कहा कि, हर किसी ने इसे स्वीकार किया हुआ है। एक फैन के रूप में मुझे शमी को बाहर बैठे देखकर दुख होता है लेकिन अगर मैं कप्तान के नजरिए से देखूं तो वह जो निर्णय ले रहे हैं। वह शानदार हैं, वह प्रतिष्ठा पर नहीं जा रहे हैं। मैदान और कंडीशन को लेकर ये फैसला किया जा रहा है। वहीं अगर आप उनसे पूछेंगे तो वो भी यही कहेंगे कि वर्ल्ड कप चाहिए और जीत के लिए खेलना है।

भारत को हराना कठिन,हालात को आंकना होगा अहमः सेंटनेर

चेन्नई, 19 अक्टूबर 2023। न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनेर का मानना है कि भारत को उसकी धरती पर हराना कठिन है और विश्व कप में रविवार को दो अपराजेय टीमों के बीच धर्मशाला के होने वाले आगामी मुकाबले में उनके लिये हालात को आंकना और फॉर्म में चल रहे रोहित शर्मा के बल्ले पर अंकुश लगाना अहम होगा ।न्यूजीलैंड ने अभी तक विश्व कप में अहमदाबाद, हैदराबाद और चेन्नई में खेलते हुए चारों मैच जीते हैं । अब उसे धर्मशाला में भारत से खेलना है ।सेंटनेर ने कहा , हमें पता है कि भारत को उसकी धरती पर हराना कठिन है । हमें धर्मशाला में विकेट का आकलन अच्छे से करना होगा ।उन्होंने कहा , विकेट में थोड़ी रफ्तार और उछाल है । लेकिन देखना यह होगा कि क्या यह उस दिन तक रहेगा ।उन्होंने कहा, गेंदबाजी के दौरान पावरप्ले महत्वपूर्ण होगा । जिस तरह से रोहित उन्हें शुरूआत दे रहा है, हमें उसके बल्ले पर रोक लगानी होगी ।

सेंटनेर ने कहा , हमें पूरे दो अंक लेने हैं और हर मैच में हमारा यही लक्ष्य है, सामने चाहे कोई भी टीम हो । हमने अब तक इस टूर्नामेंट में हालात के अनुरूप खुद को बखूबी ढाला है ।

उन्होंने कहा , हमने जिन मैदानों पर खेला है, सभी की पिच अलग थी । भारत के खिलाफ भी हमें खुद को हालात के अनुरूप ढालना होगा । इस मैच से पहले तालिका में शीर्ष पर रहना अच्छी बात है लेकिन यह लंबा टूर्नामेंट है और अपनी स्थिति मजबूत बनाये रखना जरूरी है ।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिये आईपीएल खेल चुके सेंटनेर के लिये यह मैदान नया नहीं था जिन्होंने तीन विकेट लिये और एक बेहतरीन कैच भी लपका ।

उन्होंने कहा , हम आईपीएल में इन विकेटों पर खेल चुके हैं । वैसे इस मैच में पिच में उछाल और टर्न अधिक था ।

मियोमिर केकमानोविक ने शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को हराया

स्टॉकहोम, 19 अक्टूबर 2023। मियोमिर केकमानोविक ने मियामी में स्टॉकहोम ओपन में गत चैंपियन होल्गर रून के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के साथ पिछले सीज़न के बाद से अपनी पहली शीर्ष 10 जीत दर्ज की। सर्बियाई खिलाड़ी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन को 7-6(3), 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

स्टॉकहोम के सेंटर कोर्ट पर केकमानोविक के आक्रामक लेकिन स्थिर खेल ने रूण को निराश कर दिया। सर्बियाई ने 19 विजेताओं और केवल पांच अप्रत्याशित त्रुटियों के साथ समापन किया, और पहले सेट में पांच चूकने के बाद उसने अपने दूसरे सेट के तीनों ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। रूण ने सेट दो के पहले गेम में वापसी करने के लिए एक रिटर्न विजेता को तोड़ दिया, लेकिन जल्दी ही टूट गया और पूरे समय अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म कभी हासिल नहीं कर पाया।

मुझे लगा कि मैंने इस साल लंबे समय के बाद आज बहुत अच्छा खेला। मैं बहुत खुश हूं। आखिरकार इस तरह खेलने में सक्षम होना बहुत मायने रखता है। यह इसे विशेष बनाता है (विश्व नंबर 6 को हराना)। मैं था इस साल कुछ अन्य [शीर्ष] लोगों के करीब हूं, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं आखिरकार ऐसा करने में सक्षम रहा, ÷एटीपी ने केकमानोविक के हवाले से कहा।

स्टॉकहोम में दिन के एकमात्र तीन सेट के एकल मैच में गेल मोनफिल्स ने मार्टन फुकसोविक्स को 2-6, 6-2, 7-5 से हराया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने जीत में 27 विनर्स लगाए और आखिरी गेम में ब्रेक के साथ इसे सील कर दिया। ÷मैं बहुत खुश था। मार्टन एक बहुत अच्छा खिलाड़ी है, हमेशा एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी। [मुझे] बस विश्वास करना था कि मैं जीतने जा रहा हूं और सकारात्मक रहने की कोशिश करता हूं, अपना खेल खेलता हूं। जाहिर है, मैं काफी अच्छा दौड़ रहा था और बड़ी गेंदों को मारना। शुरुआत में अपनी ताकत लगाने में थोड़ा संघर्ष करना पड़ा और फिर मुझे लगा कि मैं यह बहुत अच्छा कर रहा हूं,÷ मोनफिल्स ने कहा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मोनफिल्स का अगला मुकाबला ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक से होगा।

यूएस ग्रां प्री में वापसी की तैयारी कर रहे हैं डेनियल रिकियार्डो

टेक्सास,19 अक्टूबर 2023। डैनियल रिकियार्डो ने पुष्टि की है कि वह इस सप्ताहांत के यूनाइटेड स्टेट्स ग्रां प्री में अल्फ़ाटौरी के लिए रेसिंग में वापसी करेंगे, जिससे हाथ में फ्रैक्चर के कारण पांच रेस की अनुपस्थिति समाप्त हो जाएगी।

जुलाई में हंगेरियन ग्रां प्री के लिए अल्फ़ाटौरी में निक डी व्रीज़ की जगह लेने से पहले रिकियार्डो ने रेड बुल के लिए एक रिजर्व ड्राइवर के रूप में सीज़न की शुरुआत की।

हालाँकि, ज़ैंडवूर्ट में हाथ की चोट के कारण वह पिछली पाँच रेसों से चूक गए।2023 यूनाइटेड स्टेट्स ग्रांड प्रिक्स रविवार को ऑस्टिन में अमेरिका के सर्किट में होगा।

अगस्त में डच ग्रां प्री के दूसरे अभ्यास सत्र के दौरान बैरियर से टकराने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई के बाएं हाथ का मेटाकार्पल टूट गया, जिसके कारण आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता पड़ी।

रिकियार्डो रेड बुल सिम्युलेटर में लैप्स करके पूर्ण फिटनेस पर वापस आने के लिए काम कर रहे हैं, और वह इस सप्ताह की शुरुआत में नैशविले, टेनेसी में 30,000 प्रशंसकों के सामने एक एफ 1 कार के पहिये के पीछे भी बैठे। रिकार्डो के हवाले से कहा गया, ÷वापस आकर अच्छा लग रहा है। मेरा हाथ काफी बेहतर है और सिम्युलेटर इसका आकलन करने का एक उपयोगी तरीका था। मैंने कतर से पहले सप्ताह में इसे आजमाया था, लेकिन मुझे नहीं लगा कि यह पूरी क्षमता पर है।

डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए 5 फ्रेंचाइजी ने किए रिटेन

नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2023। क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के लिए खिलाड़ियों की रिटेंशन सूची जारी की। डब्ल्यूपीएल 2024 सीज़न के लिए खिलाड़ियों को बनाए रखने के लिए पांच फ्रेंचाइजी के लिए विंडो 15 अक्टूबर, 2023 को समाप्त हो गई। 21 विदेशी क्रिकेटरों सहित 60 खिलाड़ियों को पांच फ्रेंचाइजियों में बरकरार रखा गया, 29 खिलाड़ियों को उनकी मौजूदा टीम से रिलीज़ कर दिया गया।

यहां पांचों फ्रेंचाइजियों द्वारा रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की पूरी सूची दी गई है-

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एलिस कैप्सी*, अरुंधति रेड्डी, जेमिमाह रोड्रिग्स, जेस जोनासेन*, लौरा हैरिस*, मारिज़ैन कप्प*, मेग लैनिंग, मिन्नू मणि, पूनम यादव, राधा यादव, शैफाली वर्मा, शिखा पांडे, स्नेहा दीप्ति, तान्या भाटिया, तितास साधु

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: अपर्णा मंडल, जसिया अख्तर, तारा नॉरिस

गुजरात जायंट्स (जीजी)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एशले गार्डनर, बेथ मूनी, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, लौरा वोल्वार्ड्ट, शबनम शकील, स्नेह राणा, तनुजा कंवेर

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: एनाबेल सदरलैंड,अश्वनी कुमारी, जॉर्जिया वेयरहैम, हर्ले गाला, किम गर्थ, मानसी जोशी, मोनिका पटेल, पारुनिका सिसौदिया, सब्बीनेनी मेघना, सोफिया डंकले, सुषमा वर्मा

मुंबई इंडियंस (एमआई)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हरमनप्रीत कौर, हेले मैथ्यूज, हुमैरा काज़ी,इसाबेल वोंग, जिंतिमनी कलिता, नताली साइवर, पूजा वस्त्राकर, प्रियंका बाला, सैका इशाक, यास्तिका भाटिया

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: धारा गुज्जर, हीदर ग्राहम, नीलम बिष्ट, सोनम यादव

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: आशा शोभना, दिशा कसाट, एलिसे पेरी, हीदर नाइट*, इंद्राणी रॉय, कनिका आहूजा, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, स्मृति मंधाना, सोफी डिवाइन*

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: डेन वान नीकेर्क, एरिन बर्न्स*, कोमल ज़ांज़ाद, मेगन शुट्ट, पूनम खेमनार, प्रीति बोस, सहाना पवार

यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एलिसा हीली, अंजलि सरवानी, दीप्ति शर्मा, ग्रेस हैरिस, किरण नवगिरे, लॉरेन बेल, लक्ष्मी यादव, पार्श्ववी चोपड़ा, राजेश्वरी गायकवाड़, एस. यशश्री, श्वेता सहरावत, सोफी एक्लेस्टोन*, ताहलिया मैकग्राथ

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: देविका वैद्य, शबनीम इस्माइल*, शिवली शिंदे, सिमरन शेख

मुंबई इंडियंस ने 2023 में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग का उद्घाटन संस्करण जीता।

टाइगर नागेश्वर राव की बुकिंग शुरू

एड्रेनालाईन-पंपिंग सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि मास महाराजा रवि तेजा अपनी आगामी ब्लॉकबस्टर, टाइगर नागेश्वर राव के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।

एक्शन से भरपूर इस थ्रिलर में रवि तेजा और नूपुर सेनन, गया और रेनू देसाई जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

वामसी और अभिषेक की गतिशील जोड़ी द्वारा निर्देशित और एएआर्ट्सऑफिशियल बैनर के तहत अभिषेक अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह फिल्म एक विद्युतीकरण एक्शन ड्रामा पेश करने के लिए तैयार है जो आपको अपनी सीटों से बांधे रखेगी। उत्साह बढ़ रहा है, और अच्छी खबर यह है कि टाइगर नागेश्वर राव अब बुकिंग के लिए खुला है! कार्रवाई का हिस्सा बनने का मौका न चूकें। अभी अपने टिकट सुरक्षित करें और 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में फिल्म आने पर टाइगर जोन में प्रवेश करने के लिए तैयार हो जाएं।

एक्शन, सस्पेंस और मनोरंजन की एक रोलरकोस्टर सवारी के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि रवि तेजा इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अपनी व्यापक अपील पेश करेंगे। टाइगर नागेश्वर राव इस सीजन में आपके सिनेमाई अनुभव में एक रोमांचक इज़ाफा करने के लिए तैयार है। अपने टिकट बुक करें और बाघ की दहाड़ के लिए तैयार रहें!

शिवराजकुमार ने घोस्ट में अकेले किए कई खतरनाक स्टंट

कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म घोस्ट एक ग्रैंड फिल्म है, जिसमें कई पावर-पैक और खतरनाक स्टंट हैं। एक्टर ने ये सभी खतरनाक स्टंट अपने दम पर किए हैं।बीरबल ट्रिलॉजी केस पार्ट 1 के निर्देशक ने कहा, मैं शिवन्ना (शिवराजकुमार का दूसरा नाम) को स्टंट करते देखकर हैरान था। हमने बॉडी डबल की पेशकश की लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्हें स्टंट करते देखना प्रेरणादायक था।प्योर टॉम क्रूज और अक्षय कुमार फैशन में शिवन्ना ने खतरों की परवाह किए बिना कई पावर-पैक और खतरनाक साहसी स्टंट अपने दम पर किए हैं। हालांकि, घोस्ट में, रणरंगा अभिनेता ने अपने करियर के अब तक के सबसे कठिन स्टंट किए।अपने एक्शन सीन के लिए, फिल्म में तीन अलग-अलग स्टंट निर्देशकों के साथ-साथ तेलुगु इंडस्ट्री से एक फाइट मास्टर भी शामिल थे। शिवन्ना को उनकी कोरियोग्राफी में मदद करते हुए, क्रू के सभी सदस्य अभिनेता के कारनामों और उनके समर्पण से बहुत प्रभावित हुए।घोस्ट के सेट के कुछ अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, जब स्टंट करने की बात आती थी तो आसेगोब्बा मीसेगोब्बा अभिनेता स्पोर्टी और साहसी हो जाते थे, और हर बार वह उन्हें बड़े उत्साह और अत्यधिक एकाग्रता के साथ करते थे। घोस्ट एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो एक व्यक्ति की न्याय की तलाश के साथ-साथ प्रतिशोध की कहानी बताती है। दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन से भरपूर, घोस्ट एक जबरदस्त एक्शन तमाशा है। यह फिल्म श्रीनि द्वारा निर्देशित है और 19 अक्टूबर, 2023 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

राधे-राधे दन दिया रास गाना खूबसूरत नवरात्रि उत्सव है : दीपशिखा नागपाल

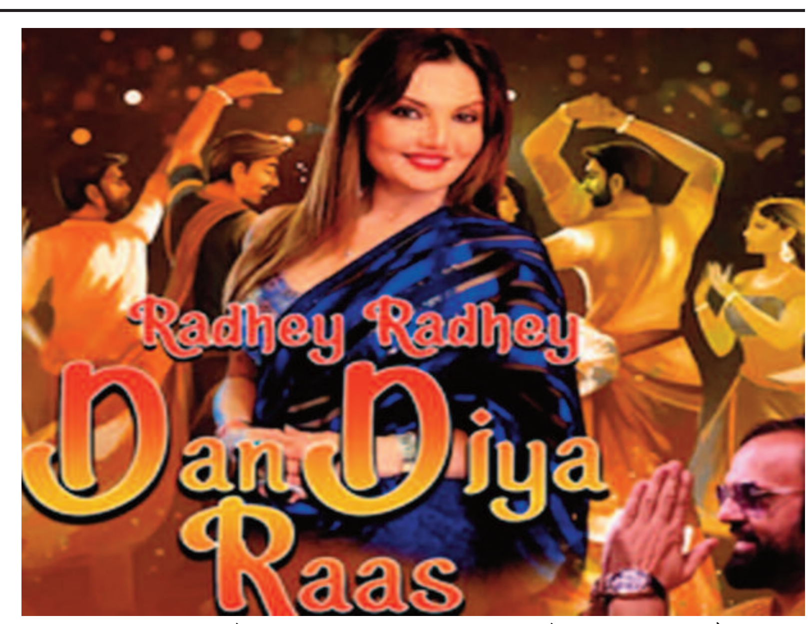

सिंगर दीपशिखा नागपाल का गाना राधे-राधे दन दिया रास दिल को छू लेने वाला गाना है, जो खूबसूरती से पूरी भावना के साथ नवरात्रि का जश्न मनाता है।

गाने में क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटेशन के साथ, गरबा, लोक और शास्त्रीय संगीत का एक शक्तिशाली मिश्रण है।दीपशिखा नागपाल की आवाज गाने के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जिसके चलते गाना उत्सवपूर्ण और आनंदमय बन गया है।

हालांकि, राधे-राधे दन दिया रास को बेहतरीन बनाने में निर्माता डीजे शेजवुड का भी अहम योगदान है।नवरात्रि या गरबा पसंद करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए, डीजे शेजवुड के म्यूजिक के साथ दीपशिखा का गायन नृत्य प्रेमियों के लिए एक संपूर्ण आनंद है।

राधे-राधे डांडिया रास पूरी तरह से नवरात्रि के सार को दर्शाता है। लोगों को डांस करने, गरबा नाइट्स और डांडिया कार्यक्रमों का आनंद लेने के लिए एक साथ लाता है।

दीपशिखा नागपाल ने गाने के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, राधे-राधे दन दिया रास एक गीत से कहीं अधिक है। यह नवरात्रि का उत्सव है। यह गाना परंपरा और समसामयिक धुनों का एक वाइब्रेंट टेपेस्ट्री है, जिसे इस खूबसूरत त्योहार के जादू को जीवंत करने के लिए प्यार और महान भक्ति के साथ बनाया गया है।डीजे शेज़वुड ने भी गीत के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया, और कहा, यह गाना एक म्यूजिकल जर्नी है, जो आधुनिक दुनिया की ऊर्जा को नवरात्रि की आध्यात्मिकता के साथ जोड़ती है। यह हमारी संस्कृति की शाश्वत परंपराओं का एक गान है, जिसे संगीत की भाषा के माध्यम से जीवंत किया गया है।

रामसुंदर दास और बृजमोहन के बीच होगी टक्कर

» **डॉ. महंत रामसुंदर दास जो रायपुर दक्षिण विधानसभा से बृजमोहन को चुनावी पटखनी देने को हैं तैयार**

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 53 प्रत्याशियों के नाम जारी किए गए हैं। इस लिस्ट में भी पहली लिस्ट की तरह विधायकों के टिकट काटे गए हैं। अब तक कांग्रेस ने 83 सीट पर प्रत्याशियों का नाम जारी किया है। इसमें 18 विधायकों का टिकट काटा गया है, लेकिन दिलचस्प कहानी ये है कि रायपुर दक्षिण से कांग्रेस ने हिंदुत्व कार्ड खेला है। कांग्रेस ने यहां से महंत राम सुंदर दास को बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है।

महंत रामसुंदर दास का नाम चर्चा में इसलिए है क्योंकि, दिसंबर 2021 में जब रायपुर के धर्म संसद में कालीचरण ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अपशब्द कहे थे, तब महंत ने मंच से विवादित कालीचरण का विरोध किया था। इसके बाद रामसुंदर दास का नाम चर्चा में आया था। अब कांग्रेस ने हिंदुत्व कार्ड खेलते हुए बीजेपी के दिग्गज नेता बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफ रायपुर दक्षिण से उन्हें चुनावी मैदान में उतारा है। पीएचडी में उनका विषय रामायण कालीन ऋषि मुनियों का तुलनात्मक अध्ययन रहा है। मठ के प्रति उनकी निस्वार्थ भावना को देखते हुए उस वक्त के तत्कालीन महंत वैष्णव दास ने उन्हे प्रभावित होकर अपने बाद मठ उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। महंत वैष्णव दास के देहांत के बाद मठ संचालन महंत रामसुंदर दास करने लगे।

दो बार विधायक रह चुके हैं महंत रामसुंदर दास

इस चुनावी लड़ाई को गुरु शिष्य की लड़ाई की तरह भी देखा जा रहा है, क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल महंत राम सुंदर दास के अच्छे संबंध हैं। बृजमोहन अग्रवाल मठ के कार्यक्रमों में लगातार शामिल होते रहते हैं। वो महंत का आशीर्वाद भी लेते हैं। महंत रामसुंदर दास भूपेश बघेल सरकार में गौसेवा आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। वो 2003 में पामगढ़ और 2008 में जैजैपुर से कांग्रेस के विधायक रह चुके हैं। इसके बाद महंत राम सुंदर दास अब 2023 में चुनावी मैदान में उतरे हैं। जांजगीर-चांपा जिले के पिहरीद गांव में जन्मे रामसुंदर दास अपने बाल्यकाल में ही रायपुर आ गए थे। यहां के ऐतिहासिक दूधाधारी मठ में रहकर उन्होंने अपनी पढ़ाई लिखाई की थी। इसके साथ साथ धार्मिक कार्यों में रहते हुए मठ में काम किया। बताया जाता है कि रामसुंदर दास बेहतर ज्ञान और अपने निस्वार्थ भावना के लिए जाने जाते हैं। राम सुंदर दास ने संस्कृत में एमए किया है। साथ ही साहित्य आचार्य की उपाधि लेने के बाद पीएचडी भी की है।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट का इतिहास

महंत ने कहा कि मैनें जांजगीर चांपा से दावेदारी की थी, लेकिन पार्टी ने मुझे रायपुर दक्षिण से प्रत्याशी बनाया है, क्योंकि दक्षिण सीट में ही हमारा मठ है. लेकिन महंत के लिए रायपुर दक्षिण सीट को भेदना आसान नहीं होगा, क्योंकि ये सीट बीजेपी की परंपरागत सीट मानी जाती है। बता दें की राज्य गठन के पहले यानी सन 2000 के पहले रायपुर शहर केवल एक सीट हुआ करता था। तब से बृजमोहन अग्रवाल यहां के विधायक रहते हुए आए हैं। वर्तमान में रायपुर सिटी में चार विधानसभा सीटे हैं।

आबकारी घोटाले के आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। आबकारी घोटाले के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने अगले 6 हफ्ते की अंतरिम राहत दे दी है। जस्टिस संजय किशन कौल की डबल बेंच में मामले में सुनवाई हुई। आबकारी घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर, नितेश पुरोहित समेत पप्पू ढिल्लन को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने तीनो के गिरफ्तारी वारंट पर स्टे लगा दिया है। आबकारी विभाग एफ आई आर की जांच पर स्टे के बावजूद अंतरिम जमानत खारिज कर वारंट जारी करने का ऑर्डर ओवर रूल करने पर ईडी को कोर्ट से फटकार भी पड़ी। बचाव पक्ष से वकील मुकुल रोहतगी ने अपना पक्ष रखा।

महादेव बुक अब प्रत्याशियों की हार-जीत पर खिला रहे सट्टा

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। पूरे देश मे पैर पसार चुका महादेव बुक अब पांच राज्यों में होने वाले चुनाव पर भी सट्टा शुरू किया है। ऐप पर लोगों को सट्टा लगाने के लिए कई ऑफर भी दिए गए है। किस राज्य में कितनी सीट, कौन सी पार्टी जीतेगी, कौन हारेगा ऐसे कई विकल्प ऐप में दिए गए है। इसमें भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी सहित कई राजनीतिक दलों का बाकायदा प्रोफाइल भी बनाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर महादेव बुक ने सट्टा शुरू किया है। मध्यप्रदेश में 103 सीट से कम जितने पर 100 रुपये पर डबल याने कि 100 रुपये दिए जाने का ऑफर दिया गया है। वहीं, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम के लिए भी भाव तय किये गए है। मालूम हो कि महादेव ऐप को लेकर देश के कई राज्यों में ऐप से जुड़े लोगों के ठिकानों में ईडी की रेड कार्रवाई जारी है। महादेव ऐप किंग छत्तीसगढ़ निवासी सौरभ चन्द्राकर, रवि उप्पल के खिलाफ 5 हजार करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप भी है। सौरभ चन्द्राकर दुबई में रह कर वहीं से इस ऐप को अपने गुर्गों के माध्यम से भारत मे संचालित कर रहा है।

बीजेपी नेत्री ने छोड़ी पार्टी

टिकट नहीं मिलने से नाराज

बिलासपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 86 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने पहली सूची में 21, दूसरी लिस्ट में 64 जबकि एकल नाम के तौर पर पंडरिया से भावना बोहरा का नाम फाइनल किया है। भाजपा के इस टिकट वितरण के बाद कई विधासनभाओं में कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी देखी जा रही है। जशपुर और धरसींवा ऐसे विधानसभा क्षेत्र रहे जहां के स्थानीय कार्यकर्ताओं में अपने अधिकृत भाजपा प्रत्याशी को लेकर खासी नाराजगी है। इतना ही नहीं बल्कि जशपुर में तो आलाकमान ने दो मण्डल अध्यक्षों को पार्टी से निष्काषित भी कर दिया। बात करें बिलासपुर की तो जिले में भी नाराजगी कम नहीं है। यहाँ की एक भाजपा नेत्री ने इसी नाराजगी के चलते पार्टी को अलविदा कह दिया। नेत्री का नाम चांदनी भारद्वाज है। चाँदनी भारद्वाज मस्तूरी सीट से दावेदार थी और टिकट की मांग कर रही थी। लेकिन बीजेपी ने यहाँ से डॉ कृष्णमूर्ति बाँधी को अपना उम्मीदवार बनाया है।चांदनी ने न सिर्फ पार्टी छोड़ी है बल्कि उन्होंने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ का दमन भी थाम लिया है। अब जोगी की पार्टी उन्हें किसी सीट पर अपना उम्मीदवार बना सकती है। गौरतलब ही कि चांदनी जांजगीर लोकसभा क्षेत्र की पूर्व सांसद कमलादेवी पाटले की बेटी है। वह मस्तूरी क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य भी हैं।

महापौर एजाज ढेबर को टिकट नहीं मिलने पर समर्थकों ने किया प्रदर्शन

» **दक्षिण विधानसभा से किया था दावा**

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। नगर निगम रायपुर के महापौर को कांग्रेस पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव की टिकट नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों समर्थकों ने सुभाष स्टेडियम में एकत्र होकर प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ता ने किया आत्मदाह का प्रयास

प्रदर्शन कर रहे सभी कार्यकर्ता सीएम हाउस की तरफ बढ़ते हुए आकाशवाणी चौक पर पहुंचे थे, जहां पुलिस ने इन्हें रोक दिया। यहां मौके पर ही लोगों ने धरना दे दिया। इसी बीच यहां मौजूद एक कार्यकर्ता ने अचानक एक बोतल निकाली और उसमे रखा मिटटी तेल अपने शरीर पर उड़ेल दिया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। युवक अपने शरीर में आग लगाता इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया और समझाइश दी।

ढेबर ने पहुंचकर लोगों को किया शांत

समर्थकों का यह प्रदर्शन और उग्र होता, इससे पहले ही महापौर एजाज ढेबर यहां पहुंच गए और सभी को समझाइश देते हुए शांत किया। यहां मीडिया से चर्चा करते हुए ढेबर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सभी प्रत्याशियों का चयन बहुत अच्छे से किया है और सभी प्रत्याशी मजबूत हैं। खुद को टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने कोई भी टिप्पणी नहीं की।

राजधानी रायपुर में आईटी ने फिर दी दबिश

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बार फिर से आयकर विभाग ने दबिश दी है। इस दफे टीम ने अरिहंत जेवलर्स के संचालक के सदर बाजार स्थित ज्वेलरी शॉप समेत शैलेंद्र नगर स्थित घर पर छापा मारा है।

संचालक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष के पद पर पदस्थ हैं।

सदर बाजार स्थित ज्वेलर्स के मालिक सुनील पारख और सप्रे शाला स्कूल के सामने स्थित राजधानी ज्वेलर्स मालिक संजय पारख के ठिकानों पर भी आयकर विभाग ने दबिश दी है। राजधानी ज्वेलर्स के मालिक संजय पारख के वालफोर्ट स्थित घर पर टीम ने रेड डाली है। फिलहाल सभी ठिकानों पर टीम अहम दस्तावेजों की जांच कर रही है।

आरंग विधानसभा में भाजपा के खुशवंत साहेब तो कांग्रेस के विधायक शिव कुमार डहरिया के बीच होगी भिड़ंत

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2023 का शंखनाद हो चुका है। आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। आरंग विधानसभा सीट के भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी अपना प्रत्याशी तय कर दिया है। भाजपा ने युवा पर तो कांग्रेस ने अनुभव पर दांव लगाया है। कांग्रेस ने वर्तमान विधायक शिव कुमार डहरिया (59) को टिकट दिया है। भाजपा पहले ही सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब के 29 वर्षीय बेटे खुशवंत साहेब को टिकट दे चुकी है।

इस सीट की खासियत यह रही है कि राज्य बनने के बाद यहां से कोई भी दोबारा विधायक चुनकर नहीं आया है। आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने हर बार नए चेहरे को मौका दिया है। यह सीट 2008 में रायपुर टाउन विधानसभा क्षेत्र के ध्वस्त होने के बाद बनी। सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। जोगी सरकार के समय भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामने वाले आरंग विधायक गंगूराम बघेल मंत्री बने थे, लेकिन अगले चुनाव में मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया। आरंग से गंगूराम वर्ष-1993 और 1998 में दो बार विधायक चुने गए थे। वर्ष-2003 में भाजपा के संजय ढीढी ने गंगूराम को हराया था। वर्ष- 2008 में कांग्रेस से गुरु रुद्र कुमार जीते थे। इसके बाद वर्ष-2013 विधानभा चुनाव में भाजपा के नवीन मारकंडेय ने जीत दर्ज की थी। वर्ष-2018 में आरंग विधानसभा से भाजपा ने संजय ढीढी को चुनाव मैदान में उतारा, लेकिन उन्हें शिवकुमार डहरिया से हार का सामना करना पड़ा।

तय माना जा रहा था टिकट

आरंग विधानसभा से शिव कुमार डहरिया का टिकट तय माना जा रहा था, जिस पर अब मुहर भी लग गई है। बताया जाता है कि जिला कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस समिति को टिकट के लिए एकल नाम भेजा था। कांग्रेस की सर्वे सूची में भी शिव डहरिया की परफार्मेंस बेहतर मिली थी।

साफसफाई, रोजगार और पेयजल बड़ा मुद्दा

आरंग विधानसभा क्षेत्र में आज भी साफ-सफाई बड़ा मुद्दा है। संकरी गलियों का विकास, आवास, पेयजल की समस्या भी बनी हुई है। सब्जी बाजार की व्यवस्था भी नहीं है, जो लोगों के लिए परेशानी का सबब है। अच्छी शिक्षा और रोजगार का मुद्दा भी छाया हुआ है।

चारपहिया वाहन में मिला शराब का जखीरा

रायपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। अवैध रूप से शराब का परिवहन करते 2 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक आरंग पुलिस की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना आरंग क्षेत्रांतर्गत ग्राम पारागांव निसदा मोड़ पास दो व्यक्ति अलग-अलग चारपहिया वाहन में शराब रखे है तथा कही जाने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी आरंग के नेतृत्व में थाना आरंग पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहन एवं हुलिये के व्यक्तियों की पतासाजी कर चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम टिकेश्वर यादव एवं रविशंकर वर्मा निवासी दुर्ग का होना बताया।

टीम के सदस्यों द्वारा दोनों चारपहिया वाहनों की तलाशी लेने पर वाहन मे शराब रखा होना पाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा दोनों आरोपियों से शराब रखने/परिवहन करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उनके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न करते हुए लगातार टीम के सदस्यों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर आरोपी टिकेश्वर यादव एवं रविशंकर वर्मा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 144 पौवा देशी शराब कीमती लगभग 15,000/- रूपये तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त चारपहिया वाहन क्रमांक सी जी/07/बी वाय/3141 पीकअप बोलेरो एवं सी जी/07/सी एम/2874 मेटाडोर जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना आरंग में अपराध क्रमांक 646, 647/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपी-

(01) रविशंकर वर्मा पिता स्व. सोनसाय वर्मा उम्र 34 साल निवासी केम्प 1 अर्जुन नगर भिलाई शमशान घाट के पीछे थाना छावनी जिला दुर्ग।

(02) टिकेश्वर यादव पिता ईतवारी यादव उम्र 19 साल निवासी घासीदास नगर जामुल थाना के पीछे थाना जामुल जिला दुर्ग।

छत्तीसगढ़ की सबसे हॉट सीट पाटन

कका भतीजा के बीच देखने मिलेगा मुकाबला

पाटन,19अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में चुनावी बिगुल बज चुका है। चुनाव की तरीकों का ऐलान होते ही सभी राजनैतिक पार्टियों में खलबली मच गई है। सभी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही है। एक तरफ जहां सत्ता में काबिज कांग्रेस एक बार फिर से प्रदेश में अपनी सरकार बनाने के लिए जोर दे रही है, तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा सत्ता पाने के लिए बेताब है। ऐसे में दोनों ही पार्टियां प्रत्याशियों के चयन में फूंक-फूंककर कदम रख रही है।

चुनावी साल में पाटन विधानसभा सीट पर नजर डालें तो यहां 2023 विधानसभा में सबसे हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। पाटन में मुकाबला कुर्मी वर्सेस कुर्मी का है। इस विधानसभा में 11 बार चुनाव हुए और 10 बार कुर्मी विधायक ही चुने गए, लेकिन इस बार मुकाबला काफी रोचक है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव तक मुकाबला केवल विधायक प्रत्याशी के बीच हुआ करता था, लेकिन अब मुकाबला प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सांसद विजय बघेल के बीच है। यानि मुकाबला कका भतीजा के बीच होगा।

निर्दलीय चुनाव लड़ने कांग्रेस नेता ने दाखिल किया नामांकन

जगदलपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। कांग्रेस के नेता टीवी रवि ने 2018 विधानसभा चुनाव में भी दावेदारी की थी। लेकिन इन्हें 2023 में भी टिकट नहीं मिला। जबकि जगदलपुर से कांग्रेस ने जतिन जायसवाल को टिकट दे दिया। जिससे नाराज नेता रवि ने अपने समर्थकों के साथ बाइक रैली की शक्ल में निर्दलीय चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने पहुंचे। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी होते ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई है। नाराज कांग्रेस के नेता टीवी रवि जगदलपुर विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

कार से लाखों रुपए नगदी जब्त

धमतरी,19अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के लिए शख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके तहत कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देशानुसार आचार संहिता लागू होते ही स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिये सम्पूर्ण जिले में गठित एसएसटी और एफएसटी टीमों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है।इसी तारतम्य में चौकी करेली बड़ी के अंतर्गत एसएसटी चेक प्वाइंट बुड़ेनी नवागांव में वाहनों की जांच के दौरान एसएसटी.टीम द्वारा केशव पंडा पिता भास्कर पंडा निवासी ग्राम कामरा,थाना घोरी गुमा,जिला कोरापुर उड़िसा से 218500/- रूपये की नगद राशि जप्त की गई। उक्त नगदी रकम के संबंध में कोई वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने पर 218500/- रुपये नगदी को जप्त कर धारा 102 सीआरपीसी. के तहत जप्ती नामा कि कार्यवाही व अन्य कार्यवाही मौके पर की गई है।उल्लेखनीय है कि धमतरी जिले में आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराते हुए विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिये कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सम्पूर्ण जिले में एसएसटी की 11टीमें तथा एफएसटी की 11 टीमें गठित की गई है। जिनके द्वारा लगातार राज्य एवं जिले के सभी बार्डर चेकिंग पोस्ट पर सघन चेकिंग कार्यवाही की जा रही है।

रविंद्र अग्रवाल को बनाया गया एडिशनल जज

केंद्र से जारी हुई अधिसूचना

बिलासपुर,19अक्टूबर 2023(ए)। केंद्र सरकार ने अधिवक्ता रवींद्र कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त करने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की कमेटी ने फरवरी 2023 में उनके नाम का प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनके नाम की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)